जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

अजमेर, शनिवार 11 अक्टूबर, 2025

कोठी के साथ

60 करोड़ की 60 एमेनिटीज बिल्कुल फ्री

FIXED PRICE GUARANTEED

NO MIDDLE-MEN

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

60 AMENITIES

OUTDOOR
1. Entrance Plaza
2. Sezasthan Bazaar
3. Lotus Canopy
4. Chaupati
5. Linear Fountain
6. Temple
7. Rashi Garden
8. Open Air Theatre
9. Wetland Park
10. Plant Nursery
11. Kid's play Area
12. Sandpit
13. Open Gym
14. Herb Garden
15. Interactive Fountain
16. Lap Pool
17. Kid's Pool
18. Roof Top Wall
19. Multi Purpose Lawn
20. Meditation Zone
21. South End Park
22. Vocational Workshop Space
23. Viewing Deck
24. Sensory Walk
25. Nature Trail
26. Savanna Elevated Trail
27. Picnic Points
28. Adventure Play Area
29. Interactive Seating With Gazebo
30. Seating With Trellis

INDOOR AMENITIES
31. Tuition Rooms
32. Library
33. Art Area
34. Kid's Workshop and Play Area
35. Trampoline
36. Disney Theme Game Room
37. Women's Corner
38. Chit Chat Lobby
39. Conference Area
40. Meeting Area
41. Featuristic Club Entry With Bridges
42. Health Care Facility
43. Gymnasium
44. Yoga Area
45. Card Area
46. Chess Area
47. Carrom Area
48. Table Tennis
49. Billiards
50. Cafeteria With Outdoor Seating
51. Banquet Hall

SPORTS
52. Basketball Court
53. Badminton Court
54. Skating Rink
55. Lawn Tennis
56. Mini Golf
57. Cricket Practice Net
58. Box Cricket
59. Jogging Loop
60. Cycling Track

बड़ी-बड़ी कोठी छोटी-छोटी प्राइस में
सिर्फ ₹4700/- Sq Ft

पजेशन पर ₹10 लाख प्राइस बढ़ेगी !

83 दिनों में हैंडओवर शुरू

FIXED PRICE & RENTAL

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE	PROPOSED RENTAL (AFTER POSSESSION)
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 LACS	22,000
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 LACS	25,000
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 LACS	28,000
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 CRORE	30,000
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.10 CRORE	40,000
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.50 CRORE	50,000

रियल एस्टेट में रियल रिटर्न्स

KEDIA®

1800-120-2323
78770-72737

info@kedia.com
www.kedia.com
www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

विचार बिन्दु

अपना नाम सदा कायम रखने के लिए मनुष्य बड़े से बड़ा जोखिम उठाने, धन खर्च करने, हर तरह के कष्ट सहने, यहाँ तक कि मरने के लिए भी तैयार हो जाता है। –सुकरात

हर बारिश के बाद मजबूत होता राजस्थान : आपदा प्रबंधन का नया अध्याय

राजस्थान को प्रायः शुष्क और रेगिस्तानी प्रदेश के रूप में पहचाना जाता है, लेकिन जब मानसून अपना रंग दिखाता है तो यहां की धरती पर बाढ़ जैसी आपदाएं भी असामान्य नहीं रहतीं। इस वर्ष भी मानसून के बाद कई जिलों में भारी वर्षा ने जहाँ सूखे की चिंताओं को कुछ हद तक कम किया, वहीं दूसरी तरफ जलभराव, बाढ़, घर ढहने, सड़कों के कटाव और फसलों की बरबादी जैसी समस्याएं खड़ी कर दीं। राजस्थान में आपदा प्रबंधन की जरूरत केवल सूखे या अकाल तक सीमित नहीं, बल्कि अचानक आई बाढ़ और उससे उत्पन्न परिस्थितियों से निपटने में भी बराबर की है। सवाल यह है कि सरकार और समाज किस तैयारी के साथ इन आपदाओं का सामना करते हैं और प्रभावित जनता तक किस हद तक राहत व पुनर्वास पहुंचता है।

राजस्थान में आपदाओं का स्वरूप भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार बदलता रहा है। पश्चिमी जिलों में लू और सूखा बड़ी चुनौती है, जबकि पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी जिलों में भारी वर्षा के बाद नदियों का उफान प्रलयकारी स्थितियां उत्पन्न कर देता है। उदयपुर, कोटा, झालावाड़, बांसवाड़ा, सवाईमाधोपुर और भरतपुर जैसे जिलों में मानसून की अधिक वर्षा अक्सर बाढ़ का कारण बन जाती है। वहीं, मरुभूमि से जुड़े जोधपुर, बाड़मेर व जैसलमेर में कहीं-कहीं कम समय में हुई तेज वर्षा भी जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर देती है। ऐसे में आपदा प्रबंधन को एक व्यापक दृष्टिकोण से देखना आवश्यक है, जिसमें रोकथाम, तैयारी, त्वरित राहत और दीर्घकालीन पुनर्वास सभी शामिल हों।

राजस्थान सरकार ने इस दिशा में राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (RSDMA) और जिला स्तरीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों की स्थापना की है। इनके तहत आपदाओं की समय से पूर्व चेतावनी, राहत कार्यों का समन्वय और पुनर्वास की नीतियां लागू की जाती हैं। भारतीय मौसम विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर राज्य सरकार अब अधिक सटीक पूर्वानुमान उपलब्ध कराती है। ग्रामीण व शहरी दोनों क्षेत्रों में बाढ़ चेतावनी प्रणाली लागू की जा रही है। गांवों में पंचायत स्तर पर आपदा प्रबंधन समितियां बनाई गई हैं जो संकट की घड़ी में त्वरित निर्णय लेकर लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें।

सरकार द्वारा हर वर्ष मानसून से पहले 'पूर्व आपदा तैयारी अभियान' चलाया जाता है, जिसमें निचले इलाकों की सफाई, जलनिकासी व्यवस्था, कमजोर मकानों के सर्वे और संवेदनशील स्थानों की पहचान शामिल है। मानसून के दौरान जैसे ही भारी वर्षा और बाढ़ की स्थिति बनती है, प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित राहत सामग्री पहुंचाने के लिए प्रशासन को निर्देशित किया जाता है। खाद्य सामग्री, कंबल, तिरपाल और पीने के पानी की आपूर्ति प्राथमिक स्तर पर की जाती है। पशुओं के लिए चारे और दवाइयों की आपूर्ति भी योजनाओं का हिस्सा है, क्योंकि ग्रामीण आबादी का बड़ा हिस्सा पशुपालन पर ही आधारित है।

आपदा प्रबंधन की प्रक्रिया केवल राहत पहुंचाने तक सीमित नहीं है। सरकार ने पुनर्वास और क्षतिपूर्ति नीतियों को भी लागू किया है। प्रधानमंत्री आपदा राहत कोष और मुख्यमंत्री सहायता कोष से प्रभावितों को मुआवजा उपलब्ध कराया जाता है। घर ढहने, खेतों में खड़ी फसल खराब होने और पशुओं की मौत पर निर्धारित दर से सहायता दी जाती है। कई बार संकट इतना व्यापक होता है कि केंद्र सरकार की सहायता भी ली जाती है। हाल के वर्षों में तकनीक आधारित मैपिंग और सर्वेक्षण प्रणाली अपनाई गई है जिससे नुकसान का सटीक आकलन संभव हुआ है और पीड़ित परिवारों को सीधे उनके बैंक खातों में सहायता राशि पहुंचाई जा रही है।

> **सरकार द्वारा हर वर्ष मानसून से पहले 'पूर्व आपदा तैयारी अभियान' चलाया जाता है, जिसमें निचले इलाकों की सफाई, जलनिकासी व्यवस्था, कमजोर मकानों के सर्वे और संवेदनशील स्थानों की पहचान शामिल है। मानसून के दौरान जैसे ही भारी वर्षा और बाढ़ की स्थिति बनती है, प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित राहत सामग्री पहुंचाने के लिए प्रशासन को निर्देशित किया जाता है।**

राजस्थान सरकार ने 'मुख्यमंत्री चिरंजीवी बीमा योजना' के अंतर्गत आपदाओं में घायल नागरिकों के निःशुल्क इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित की है। स्वास्थ्य विभाग आपदा के दौरान विशेष मेडिकल टीमों का गठन करता है और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मोबाइल चिकित्सालय भी भेजे जाते हैं। जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए पीने के पानी की क्लोरीनेशन व्यवस्था और दवाइयों का वितरण सुनिश्चित किया जाता है।

खास तौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में बाढ़ के बाद सड़कों, पुलिया और विद्युत व्यवस्था को तत्काल बहाल करना भी आपदा प्रबंधन का अहम हिस्सा होता है। राजस्थान में 'आपदा राहत त्वरित प्रतिक्रिया बल' (SDRF) और जरूरत पड़ने पर राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (NDRF) की इकाइयां तैनात की जाती हैं। ये टीमें न केवल राहत और बचाव कार्य करती हैं बल्कि संकट के समय प्रशिक्षण लेकर गांव-गांव में स्वयंसेवकों और युवाओं को तैयार भी करती हैं ताकि स्थानीय स्तर पर प्रतिक्रिया की क्षमता बने।

सरकारी योजनाओं में आर्थिक पुनर्वास भी शामिल है। बाढ़ और आपदा से प्रभावित किसानों को ब्याजमुक्त या कम ब्याज दरों पर ऋण उपलब्ध कराया जाता है। कृषि विभाग विशेष पैकेज घोषित करता है जिसमें मुफ्त बीज, खाद और कृषि उपकरण दिए जाते हैं। कृषि बीमा योजना के अंतर्गत पंजीकृत किसानों को नुकसान की भरपाई भी की जाती है। पशुपालन व कृषि कार्यों के साथ छोटे व्यापारियों को भी राहत कोष से सहायता राशि उपलब्ध कराई जाती है ताकि उनकी आजीविका पुनः पटरी पर आ सके।

शहरी क्षेत्रों की स्थिति अलग है। जयपुर, जोधपुर और अजमेर जैसे शहरों में जलभराव महानगरीय जीवन को ठप कर देता है। ऐसे में नगर निगम और विकास प्राधिकरण जलनिकासी के स्थायी समाधान पर कार्य कर रहे हैं। स्मार्ट सिटी योजना और अमृत मिशन के अंतर्गत जलभराव की समस्या से निपटने के लिए अंडरग्राउंड ड्रेनेज और स्टॉर्म वाटर मैनेजमेंट प्रोजेक्ट्स चलाए जा रहे हैं।

इस पूरे परिदृश्य में यह भी जरूरी है कि जनता के बीच आपदा प्रबंधन के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाई जाए। अक्सर देखा गया है कि अचानक आई बाढ़ में लोग असावधानी से अपनी जान जोखिम में डाल देते हैं। गांवों और कस्बों में सामुदायिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाने लगे हैं जहां आपातकाल में बचाव की तकनीकें, प्राथमिक उपचार और सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने की रणनीति सिखाई जाती है।

राजस्थान में आपदा प्रबंधन की चुनौतियां इसलिए भी बड़ी हैं क्योंकि प्रदेश का भौगोलिक क्षेत्रफल बहुत विशाल है और संसाधन सीमित हैं। लेकिन सकारात्मक पक्ष यह है कि हाल के वर्षों में प्रशासन ने तकनीकी साधनों का उपयोग बढ़ाया है। ड्रोन सर्वेक्षण, डिजिटल रिपोर्टिंग और मोबाइल एप आधारित आपदा निगरानी प्रणाली आज आपदा प्रबंधन को अधिक प्रभावी बना रही है।

आवश्यकता इस बात की है कि आपदा प्रबंधन को केवल सरकारी कामकाज तक सीमित न माना जाए। यह सामाजिक जिम्मेदारी है जिसमें नागरिक समाज, पत्रकारिता, गैर सरकारी संगठन और स्थानीय समुदाय सबकी भागीदारी जरूरी है। यदि हर स्तर पर बेहतर समन्वय और समय पर कार्यवाही हो, तो राहत व पुनर्वास की प्रक्रिया तेज और पारदर्शी बनेगी।

राजस्थान में मानसून के बाद आपदाएं एक स्थायी यथार्थ हैं। लेकिन इन्हें संकट नहीं, बल्कि आपसी सहयोग और सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से समाज के सामर्थ्य को परखने का अवसर समझा जाना चाहिए। यदि राज्य सरकार की योजनाओं के साथ जनता का सक्रिय सहयोग जुड़ा, तो हर मानसून के बाद राजस्थान पहले से ज्यादा मजबूत और तैयार खड़ा नजर आएगा।

–अतिथि सम्पादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

शॉर्ट सैलरों के लिए भी देश में बने नियामक कानून

डॉ. सुबोध अग्रवाल

शार्ट सेलरों द्वारा हिडन एजेण्डा के तहत समय समय पर रिपोर्टों की विश्वसनीयता पर सवाल उठते रहे हैं। ऐसे में इस तरह के शार्ट सेलरों को एक सीमा तक किसी दायरें में सीमित करना जरुरी हो गया है। अड़ानी और वेदांता के संबंध में हिण्डनवर्ग और वायसराय रिसर्च द्वारा जारी रिपोर्टों में आंकड़ों के नकारात्मक विश्लेषण के बाद के हालातों को देखते हुए अब भारत में भी शार्ट सेलरों पर अंकुश के लिए नियामक बनना समय की मांग हो गई है।

सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जे वाई चन्द्रचूड द्वारा अमेरिकी शार्ट सेलर विश्लेषक वायसराय रिसर्च की वेदांता समूह को लेकर जारी रिपोर्ट को सिरे से खारिज कर साफ कर दिया कि वायसराय द्वारा जारी रिपोर्ट वेदांता समूह को लेकर भ्रमित करने वाली रिपार्ट जारी की गई। हांलाकि वायसराय ने वेदांता की एजीएम के ठीक एक दिन पहले यह रिपोर्ट जारी कर वेदांता की साख को प्रभावित करने का प्रयास किया पर वेदांता ने जिस तरह से रिपोर्ट को सिरे से खारिज किया उससे दूसरे दिन ही वेदांता के शेयर पूर्व स्थिति में आ गये। यह तो एक उदाहरण मात्र है।

इससे पहले हिण्डनवर्ग द्वारा अडानी समूह को निशाने पर लेने को जो प्रयास किये थे वे भी जगजाहिर है। पिछले दिनों विदेशी शार्ट सेलर अपनी रिपोर्टों में भारतीय बड़ी कंपनियों को ही निशाना बनाते रहे हैं। दरअसल शार्ट सेलर विश्लेषकों द्वारा जारी रिपोर्ट के आधार पर बड़े निवेशक निवेश रणनीति बनाते हैं। शार्ट सेलर अपनी रिपोर्ट में जो तस्वीर पेश करते हैं उनसे संबंधित कंपनियों के शेयर पर अनुकूल और प्रतिकूल दोनों ही तरह के प्रभाव पड़ते हैं तो रिपोर्ट के चलते शेयर के गिरने से खरीददार खरीद कर बाद में अच्छा मुनाफा कमा लेते हैं।

खैर यह एक रणनीति हो सकती है पर शार्ट सेलरों द्वारा जारी रिपोर्ट में तथ्यों से हेराफेरी कर केवल निशाना बनाकर कंपनी को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया जाता है तो यह किसी भी दृष्टि से उचित नहीं ठहराया जा सकता। विदेशी कंपनियों खासकर हिण्डनवर्ग और वायसराय शार्ट सेलर ने भारतीय शेयर बाजार खासतौर से अडानी और वेदांता समूह को नुकसान पहुंचाने और इनकी साख को प्रभावित करने का प्रयास किया हांलाकि हिण्डनवर्ग की चाल कुछ समय तक ही सफल रह सकी तो वायसराय की चाल दूसरे दिन ही धराशाही हो गई। पर इससे सबक लिये जाने की भी आवश्यकता हो जाती है।

ऐसा नहीं है कि शार्ट सेलर द्वारा इस तरह का कुप्रयास पहली बार किया गया हो। स्पेन की ग्रिफोल्स और स्विस की टेमेनोस इनका शिकार हो चुकी है। यह दोनों ही मल्टीनेशनल कंपनियां रही है और इनकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साख व पहचान रही है। स्पेन की ग्रिफोल्स बायोथेराफयूटिक्स और खासतौर से प्लाज्मा व स्विस की टेमेनोस बैंकिंग सॉफ्टवेयर क्षेत्र की कंपनी रही है। इसी तरह से डच कंपनी स्टाइन हॉफ और वायरकार्ड आदि कंपनियां इस रिपोर्टों की शिकार हो चुकी है। यह दूसरी बात है कि किसी पर सकारात्मक तो किसी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा।

दरअसल शार्ट सेलरों की रिपोर्ट निवेश रणनीति कम सट्टे जैसा काम अधिक करती है। शार्ट सेलरों द्वारा जारी रिपोर्ट प्रायः संदेह के घेरे में रही हैं। इनके द्वारा जारी रिपोर्ट तो कई बार केवल निशाना बनाने जैसी और कंपनियों के साख के साथ खिलवाड़ करने जैसी हो जाती है। अडानी और वेदांता इसके जीते जागते उदाहरण है। ऐसा नहीं है कि हिण्डनवर्ग या वायसराय ही शार्ट सेलर हो, बल्कि इस तरह की बहुत सी संस्थाएं काम कर रही है।

सीएनएमवी, गोथम सिटी रिसर्च, अमेरिका की मडीवाटर्स, ब्रिटिश संस्था शैडोफाल आदि भी इस तरह की संस्थाएं काम कर रही है। देखा जाए तो यह कंपनियों के लेखों और गतिविधियों को अपने स्रोतों से प्राप्त कर उसके आधार पर रिपोर्ट तैयार करती है और कंपनियों द्वारा किये जा रहे कार्यों को अपनी तरह से परिभाषित करती है। इनकी रिपोर्ट्स जब प्रकाशित होती है तो उससे एक बार तो सनसनी फैल जाती है और संबंधित कंपनियां अपनी सफाई देने में ही पूरी ताकत झोंक देती है। मजे की बात यह है कि तथ्यों के नकारात्मक या सकारात्मक विश्लेषण को यह सही बताते हैं और आम निवेशक इससे प्रभावित हो जाता है। हिण्डनवर्ग की अडानी के खिलाफ रिपोर्ट ने केवल अडानी कंपनियों को ही नहीं हिलाया अपितु राजनीतिक पैतरेबाजी और आरोप प्रत्यारोप भी खूब चले।

जहां तक विदेशों की बात है तो ऐसी संस्थाओं की गतिविधियों की निगरानी भी की जाती है। अमेरिका में एसईसी लगातार निगरानी करती रहती है तो योरोप में इन संस्थाओं की गतिविधियों पर नजर रखी जाती है। अडानी और वेदांता समूह की साख खराब करने पर जिस तरह के प्रयास शार्ट सेलरों द्वारा किया गया उसे देखते हुए भारत में भी नियामक प्रावधान किये जाने की आवश्यकता है।

सवाल इन संस्थाओं की रिपोर्ट की विश्वसनीयता होने या ना होने का नहीं होता, बल्कि यह संस्थाएं अपने हिडन एजेण्डा को पूरा करने में सफल हो जाती है। भारत की इनगवर्न रिसर्च का मानना है कि शार्ट सेलर संस्थाओं की गतिविधियों की निगरानी व्यवस्था नहीं होने से आसानी से यह भारतीय बाजार को प्रभावित कर देती है। जिरोधा के संस्थापक नितिन कामथ ने शार्ट सेलिंग तंत्र की संरचनात्मक कमियों को उजागर किया है तो ऐसे हालात में देश में शार्ट सेलर संस्थाओं के लिए नियामक संस्था व प्रावधानों की आवश्यकता हो जाती है जिससे तथ्यों व आंकड़ों का गलत विश्लेषण कर किसी को नुकसान पहुंचाने और निवेशकों को भ्रमित करने से बचाया जा सके।

–डॉ. सुबोध अग्रवाल,
अतिरिक्त मुख्य सचिव,
राजस्थान सरकार।

दाम्पत्य जीवन की पवित्रता का पर्व "करवा चौथ"

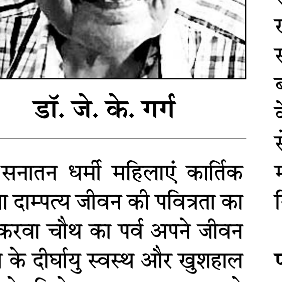

डॉ. जे. के. गर्ग

सनातन धर्मी महिलाएं कार्तिक कृष्णा दाम्पत्य जीवन की पवित्रता का पर्व करवा चौथ का पर्व अपने जीवन साथी के दीर्घायु स्वस्थ और खुशहाल रहने के लिये व्रत रखकर शाम को चन्द्रमा के दर्शन कर उनको अर्क दे कर छलनी से अपने प्राण प्रिय पति को देख कर अपने पति के हाथों से जल पीकर अपना व्रत खोलती है । करवा चौथ हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। यह भारत के जम्मू हिमाचल प्रदेश, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश और राजस्थान में मनाया जाने वाला पर्व है। यह कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। यह पर्व सौभाग्यवती (सुहागिन) स्त्रियाँ मनाती हैं। यह व्रत सवेरे सूर्योदय से पहले लगभग 4 बजे से आरंभ होकर रात में चंद्रमा दर्शन के उपरांत संपूर्ण होता है। पति की दीर्घायु एवं अखण्ड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए इस दिन भालचन्द्र गणेश जी की अर्चना की जाती है। संस्कृत में इसको करक चतुर्थी तेलुगु में अटल तद्दी कहा जाता हे ।

यह व्रत 12 वर्ष तक अथवा 16 वर्ष तक लगातार प्रति वर्ष किया जाता है। अवधि पूरी होने के पश्चात इस व्रत का उद्यापन (उपसंहार) किया जाता है। किन्तु जो सुहागिन स्त्रियां आजीवन रखना चाहें वे जीवन भर इस व्रत को कर सकती हैं। इस व्रत के समान सौभाग्यदायक व्रत अन्य कोई दूसरा नहीं है। भारत देश में वैसे तो चौथ माता जी के कई मंदिर स्थित है, लेकिन सबसे प्राचीन एवं सबसे अधिक ख्याति प्राप्त मंदिर राजस्थान राज्य के सवाई माधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा गाँव में स्थित है। चौथ माता के नाम पर इस गाँव का नाम बरवाड़ा से चौथ का बरवाड़ा पड़ गया। चौथ माता मंदिर की स्थापना महाराजा भीम सिंह चौहान ने की थी।

करवा चौथ के व्रत संबंध में पौराणिक एवं लोक कथाएं।

कहा जाता है कि शंकरजी ने माता पार्वती को करवा चौथ के व्रत का महत्व बताया था। इसके अलावा द्रौपदी ने अर्जुन के लिए यह व्रत रखा था। तभी से पत्नियां अपने पति की सलामती के लिए यह उपवास रखती हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार करवा नाम की स्त्री अपने पति के साथ नदी के किनारे के गांव में रहती थी। एक दिन उसका पति नदी में स्नान कर रहा था तभी एक मगरमच्छ ने उसका पैर पकड़ लिया। वह मनुष्य अपनी पत्नी को पुकारने लगा। उसकी आवाज सुनकर पत्नी करवा वहां पहुंची और मगरमच्छ को कच्चे धागे से बांध दिया। इसके बाद महिला यमराज के पास पहुंची और विनती करते हुए कहा कि हे भगवान! मगरमच्छ को आप नरक में ले जाओ। यमराज बोले, उसकी आयु शेष है, उसे नहीं मार सकते। इस पर करवा बोली, अगर आप ऐसा नहीं करोगे तो मैं आप को श्राप दें दूंगी। यह सुनकर यमराज मगरमच्छ को यमपुरी भेज दिया। तभी से उस महिला को करवा माता कहने लगे और उनकी पूजा की जाने लगी।

साहूकार के सात लड़के, एक लड़की की कहानीः–

एक साहूकार के सात लड़के और एक लड़की थी। एक बार कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को सेठानी सहित उसकी सातों बहुएं और उसकी बेटी ने भी करवा चौथ का व्रत रखा। रात्रि के समय जब साहूकार के सभी लड़के भोजन करने बैठे तो उन्होंने अपनी बहन से भी भोजन कर लेने को कहा। इस पर बहन ने कहा- भाई, अभी चांद नहीं निकला है। चांद के निकलने पर उसे अर्घ्य देकर ही मैं आज भोजन करूंगी।

साहूकार के बेटे अपनी बहन से बहुत प्रेम करते थे, उन्हें अपनी बहन का भूख से व्याकुल चेहरा देख बेहद दुख हुआ। साहूकार के बेटे नगर के बाहर चले गए और वहां एक पेड़ पर चढ़ कर अग्नि जला दी। घर वापस आकर उन्होंने अपनी बहन से कहा- देखो बहन, चांद निकल आया है। अब तुम उन्हें अर्घ्य देकर भोजन ग्रहण करो। साहूकार की बेटी ने अपनी भाभियों से कहा- देखो, चांद निकल आया है, तुम लोग भी अर्घ्य देकर भोजन कर लो। ननद की बात सुनकर भाभियों ने कहा- बहन अभी चांद नहीं निकला है, तुम्हारे भाई धोखे से अग्नि जलाकर उसके प्रकाश को चांद के रूप में तुम्हें दिखा रहे हैं। साहूकार की बेटी अपनी भाभियों की बात को अनसुनी करते हुए भाइयों द्वारा दिखाए गए चांद को अर्घ्य देकर भोजन कर लिया। इस प्रकार करवा चौथ का व्रत भंग करने के कारण चौथ माता साहूकार की लड़की पर क्रोधित हो गई। चौथ माता की अप्रसन्नता के कारण उस लड़की का पति उसके सुसराल में बीमार पड़ गया और सुसराल वालों के घर में बचा हुआ सारा धन उसकी बीमारी में खर्च हो गया। साहूकार की बेटी को जब अपने किए हुए दोषों का पता लगा तो उसे बहुत पश्चाताप हुआ। उसने गणेश जी से क्षमा प्रार्थना की और फिर से विधि-विधान पूर्वक चतुर्थी का व्रत शुरू कर दिया। उसने उपस्थित सभी लोगों का श्रद्धानुसार आदर किया और तदुपरांत उनसे आशीर्वाद ग्रहण किया।

इस प्रकार उस लड़की के श्रद्धा-भक्ति को देखकर चोट माता प्रसन्न हो गइ और उसके पति को जीवनदान प्रदान किया। उसे सभी प्रकार के रोगों से मुक्त करके धन, संपत्ति और वैभव से युक्त कर दिया। पूजा करते समय और कथा सुनते समय दो करवे रखने होते हैं, एक करवे में महिलाएं अर्घ्य देती हैं यानी जिसे उनकी सास ने दिया होता है और दूसरा वो जिसमें पानी भरकर बायना देते समय उसकी सास को देती हैं। करवा में रक्षा सूत्र बांधकर, हल्दी और आटे के सम्मिश्रण से एक स्वस्तिक बनाया जाता है। एक करवे को शुद्ध जल से और दूसरे करवे को से दूध भरते हैं और उसमें तांबे या चांदी का सिक्का डाल देते हैं। जब बहू व्रत शुरू करती है, तो सास उसे करवा देती है, उसी तरह बहू भी सास को करवा देती है। साधारण तय मिट्टी के करवा का उपयोग किया है किन्तु कई जगह स्टील के लोटे का प्रयोग भी किया जाता है।

सरगी– सरगी आम तौर पर पंजाबी समुदाय के लोगों में ज्यादा प्रचलित होती है, लेकिन दूसरे समुदाय के लोग भी इसका प्रयोग करते हैं। सरगी का मतलब है कि सास की ओर से बहू को करवा चौथ पर दी जाने वाली एक तरह की भेंट। यह भोजन की एक ऐसी थाली होती हैं जिसमें कुछ खास चीजें होती हैं जिसे खाने से भूख और प्यास कम लगती है और दिनभर ऊर्जा बनी रहती।। इन्हें खाने के बाद महिलाएं दिनभर निर्जला उपवास रखती है।

सरगी की थाली में ऐसी चीजें होती है जिसे खाने से भूख और प्यास कम लगती है और दिनभर एनर्जी बनी रहती। इसमें सूखे मेवे और फल होते हैं। साथ ही मिठाई होती है। अगर सास सरगी नहीं दे सकती तो बहू को पैसे भिजवा सकती हैं। सरगी में खाने के सामान के अलावा कपड़े, सुहाग की चीज, फेनिया, नारियल आदि रखे होते हैं। यह व्रत 10 अक्टूबर, 2025 को है। प्रकृति का नियम हैं कि समय परिवर्तनशील है समय के साथ आदमी की सोच भी बदलती है । आज हमारा संविधान सभी को समान अधिकार प्रदान प्रदान करता है चाहे वो पुरुष हो या स्त्री इसी प्रकार सभी के कर्तव्य भी समान होते हैं । नर और नारी जीवन रुपया रथ के दो पहिये हैं स्वस्थ सुखी दाम्पत्य जीवन के लिये दोनों को स्वस्थ और कुशल होना जरूरी है। क्या यह अधिक अच्छा नहीं होगा अगर पति भी इस पर्व पर अपनी पत्नी के सम्मान खुशाली और उसके स्वस्थ दीर्घ जीवन के लिए प्रार्थना करते हुए उसका हर काम में सहयोग करने की भावना को मूर्त रूप दें इसके लिये पुरुष अपनी पत्नी के स्वस्थ और दीर्घ जीवन के लिये करवा चौथ का व्रत रख कर उसको अपनी मर्जी से उसके द्वारा निर्धारित संकल्पों को पूरा करवाने में तन मन धन से उसकी सहायता और सहयोग करने का संकल्प लें ।

–डॉ. जे के गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक कॉलेज शिक्षा जयपुर

संवेदनाओं से सूना होता आंगन

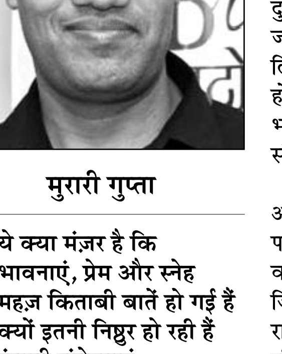

मुरारी गुप्ता

ये क्या मंज़र है कि
भावनाएं, प्रेम और स्नेह
महज़ किताबी बातें हो गई हैं
क्यों इतनी निष्ठुर हो रही हैं
इंसानी संवेदनाएं
ये समाज, ये देश
ये धरती, ये दुनिया
क्या बिल्कुल रंगहीन हो जाएगी?

अजमेर की अनासागर झील की लहरें उस दिन शायद खुद कांप उठी होंगी, जब एक माँ ने अपनी तीन साल की मासूम बच्ची को उसमें धकेल दिया। वह बच्ची, जिसकी हंसी से घर का कोना-कोना गूंजता होगा, जिसकी नन्हीं हथेलियाँ माँ की ऊँगली थामे दुनिया देखना चाहती होंगी, अचानक जलसमाधि में समा गई। वजह? माँ का लिव-इन पार्टनर उसे पूर्व पति की बेटी होने का ताना देता था। माँ ने अपने भविष्य को बचाने के लिए अपनी संतान का भविष्य ही छीन लिया।

इसी तरह एक और घर में तूफान आया। एक जवान बेटे ने मामूली बात पर अपनी माँ से मारपीट की और माँ ने वहीं दम तोड़ दिया। उस माँ की ममता, जिसने उसे पाल-पोसकर बड़ा किया, रातों की नींद त्यागकर उसके लिए जीया, वही माँ बेटे के गुस्से की शिकार बन गई। ये दोनों घटनाएँ पढ़कर दिल कांप उठता है। क्या हम उस समाज की संतान नहीं हैं जहाँ माँ को देवी और पिता को देवता माना गया? जहाँ रिश्तों के लिए लोग जान न्यौछावर कर देते थे? फिर क्यों आज रिश्ते बोझ बनते जा रहे हैं? क्यों संवेदनाएँ खोती जा रही हैं? असल में यह दौर भौतिकवाद की अंधी दौड़ का है। जहाँ गाड़ी, मकान, नौकरी और सोशल मीडिया पर लाइक्स रिश्तों से ज़्यादा अहमियत पा चुके हैं। बच्चे माँ-बाप को 'पुराने जमाने का' कहकर अलग हो जाते हैं। पति-पत्नी स्थायी रिश्ते से बचकर 'लिव-इन' को आसान रास्ता मान लेते हैं। और जब कोई रिश्ता बाधा लगता है, तो उसे तोड़ना ही सबसे सरल विकल्प मान लिया जाता है।

सोशल मीडिया ने इस संकट को और गहरा कर दिया है। आज लोग दिनभर वर्चुअल दुनिया में खोए रहते हैं। स्टेटस अपडेट करते हैं, तस्वीरें सजाते हैं, लेकिन घर के बुजुर्गों से दो मिनट बात करने का समय नहीं निकालते। रिश्ते अब 'फ्रेंडलिस्ट' और 'फॉलोअर्स' तक सिमट गए हैं। नतीजा यह कि भीतर से इंसान अकेला, असुरक्षित और चिड़चिड़ा हो गया है।

पुरानी पीढ़ी, जिसने हमें संस्कार दिए, आज अकेलेपन का शिकार है। संयुक्त परिवार टूट चुके हैं, बच्चों और बुजुर्गों के बीच दूरियाँ बढ़ गई हैं। यही दूरियाँ कभी मासूम बच्ची की जान ले लेती हैं, तो कभी माँ की। समस्या गहरी है, लेकिन उपाय असंभव नहीं। समाज और सरकार को मिलकर रिश्तों को बचाने की पहल करनी होगी। सरकार ऐसी नीतियाँ बनाए जो परिवारों को जोड़ें और माता-पिता की उपेक्षा पर सख्त कानून लागू करे।

लेकिन केवल कानून काफी नहीं है। हमें अपनी सनातन संस्कृति से भी सीखना होगा। हमारे शास्त्रों ने सिखाया-**मातृदेवो भव, पितृदेवो भव।** अगर इस शिक्षा को फिर से अपनाया जाए, तो परिवारों में सम्मान और अपनापन लौट सकता है। संत-महात्माओं को अपने प्रवचनों में रिश्तों की महत्ता पर ज़ोर देना चाहिए। विद्यालयों की भूमिका भी अहम है। बच्चों को केवल गणित और विज्ञान ही नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाई जाए। उन्हें बुजुर्गों के साथ समय बिताने, सेवा करने और रिश्तों का मोल समझने के अवसर दिए जाएँ। काउंसलिंग और संवाद की परंपरा को शिक्षा का हिस्सा बनाना होगा।

हर रोज़ अखबार में ऐसे हादसे पढ़कर दिल बैठ जाता है। लेकिन हमें इन्हें केवल 'खबर' बनाकर भूलना नहीं है। ये घटनाएँ चेतावनी हैं कि अगर हमने समय रहते अपने मूल्यों को नहीं थामा, तो कल का समाज और भी भयावह होगा। आज सबसे बड़ी जरूरत है कि हम अपने घर को फिर से 'संस्कारों का विद्यालय' बनाएं। बच्चों को सिखाएँ कि सोशल मीडिया पर लाइक्स से बड़ा सुख माँ की मुस्कान और पिता का आशीर्वाद है। बुजुर्गों को वह सम्मान दें, जिसके वे हकदार हैं। मासूम बच्ची की डूबी हुई किलकारी और माँ की टूटी हुई सांसें हमें यही संदेश देती हैं-रिश्तों को बचाइए, संवेदनाओं को जगाइए। क्योंकि अगर रिश्ते टूटे, तो इंसानियत भी टूट जाएगी।

– मुरारी गुप्ता,
(लेखक भारतीय सूचना सेवा के अधिकारी हैं)

राशिफल

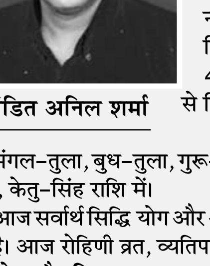

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 11 अक्टूबर, 2025

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, रोहिणी नक्षत्र दिन 3:20 तक, व्यतिपात योग दिन 2:07 तक, तैतिल करण सायं 4:44 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 2:24 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-वृष, मंगल-तुला, बुध-तुला, गुरू-मिथुन, शुक्र-कन्या, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग सूर्योदय से दिन 3:20 तक है। आज रोहिणी व्रत, व्यतिपात पुण्य है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ 7:54 से 9:20 तक, चर 12:14 से 1:40 तक, लाभ अमृत 1:40 से 4:33 तक।

राहूकालः 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:28, सूर्यास्त 5:59

मेष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी।

वृष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यक्तिगत प्रयासों से आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

कर्क
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ और व्यावसायिक कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

धनु
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मकर
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आज व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

कुंभ
घर-परिवार में आपसी वाद-विवाद हो सकते हैं। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में आपसी मतभेद हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 30 संख्याः 72 प्रभात अजमेर, शनिवार 11 अक्टूबर, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

बिहार में एक दर्जन कांग्रेस नेता अपने-अपने पुत्र को टिकट दिलाने की फिराक में

कहते हैं कि सीईसी द्वारा तय किये 25 टिकटों में एक भी पुत्र का नाम तय नहीं हुआ है

- कांग्रेस के इन प्रमुख नेताओं में अखिलेश प्रसाद सिंह, मदन मोहन झा, मीरा कुमार, शकील अहमद, अवधेश सिंह व अजीत शर्मा शामिल हैं।
- चर्चा है कि इन वरिष्ठ नेताओं में से अधिकतर सिंगल नाम का पैनल भिजवाने में सफल हो गये थे, पर, स्क्रीनिंग कमेटी के चेयरमैन अजय माकन ने यह सुनिश्चित किया कि हर सीट पर एक से अधिक नाम का पैनल सीईसी को जाये।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। बिहार में कांग्रेस नेताओं की स्थिति चाहे जैसी भी हो, चाहे उनका खुद का जनाधार हो या वे अपने बड़े गठबंधन सहयोगी के सहारे हों, लेकिन उनका हार न मानने वाला रवैया कायम है।

बिहार के करीब आधा दर्जन कांग्रेस नेता इस समय अपने बेटे-बेटियों को टिकट दिलाने के लिए जोरदार कोशिशें कर रहे हैं, ताकि उन्हें आने वाले विधानसभा चुनावों में उतारा जा सके और राजनीति में स्थापित किया जा सके।

कल कांग्रेस और राजद के बीच गठबंधन की औपचारिक घोषणा होगी, जिसमें कांग्रेस तेजस्वी यादव को महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के चेहरे के रुप में समर्थन देगी।

कांग्रेस लगभग 58 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में है, जिनमें से 25 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम पार्टी की केन्द्रीय चुनाव समिति (सीईसी) ने कल ही तय कर दिये थे। इनमें ज्यादातर वर्तमान विधायक हैं, जिन्हें दोबारा मौका दिया गया है।

अपने बच्चों को टिकट दिलाने की कोशिश में जुटे कांग्रेस नेताओं को उम्मीद थी कि सीईसी उनके नामों को मंजूरी दे देगी, क्योंकि कई सीटों के लिए केवल एक ही नाम पैनल में भेजा गया था। लेकिन स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष अजय माकन ने यह सुनिश्चित किया कि हर सीट के लिए एक से अधिक नाम भेजे जाएं।

अब तक किसी भी नेता के बेटे या बेटी के नाम को मंजूरी नहीं मिली है।

इन नेताओं में प्रमुख हैं, अखिलेश प्रसाद सिंह, जो पूरी तरह इस कोशिश में लगे हैं कि उनका बेटा या तो विधायक बने या सांसद। वे तब तक चैन से नहीं बैठेंगे, जब तक उनका यह मकसद पूरा नहीं हो जाता। मदन मोहन झा, जो राज्य कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और विधान परिषद में कांग्रेस के नेता हैं, अब अपने बेटे को चुनाव में उतारना चाहते हैं।

पार्टी की वरिष्ठ नेता और पूर्व लोकसभा अध्यक्ष, मीरा कुमार अपने बेटे को फिर से चुनाव मैदान में उतारना चाहती हैं, हालांकि वे पिछला लोकसभा चुनाव हार गये थे।

शकील अहमद, जो पूर्व केन्द्रीय मंत्री और राज्य कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके हैं, लगभग राजनीति से दूर हो चुके थे, लेकिन अब वे अपने बेटे को टिकट दिलाना चाहते हैं। कुछ महीने पहले उन्होंने बेटे को विदेश से बुला लिया और तब से वह अपने चुनाव क्षेत्र में सक्रिय है।

छह बार के विधायक और बहुत वरिष्ठ नेता अवधेश सिंह भी अपने बेटे को टिकट दिलाना चाहते हैं।

अजीत शर्मा चाहते हैं कि उनकी अभिनेत्री बेटी नेहा शर्मा को टिकट दिया जाए।

अपने बच्चों को टिकट दिलाने के इच्छुक इन सभी नेताओं ने बैठक में एक-दूसरे का समर्थन किया, लेकिन पैनल बनने के बाद भी, अधिकतर नेता अभी तक कड़ी लॉबिंग में जुटे हैं, ताकि अपने बेटों या बेटियों के लिए टिकट सुनिश्चित करा सकें।

हालांकि आज स्क्रीनिंग कमेटी की एक और बैठक हुई, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि केन्द्रीय चुनाव समिति की कोई और बैठक बुलाई जाएगी या नहीं।

अमेरिका पाकिस्तान को नई उन्नत मिसाइलें नहीं देगा

नयी दिल्ली, 10 अक्टूबर। अमेरिका ने पाकिस्तान को मध्यम दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली नई उन्नत मिसाइलों की आपूर्ति से संबंधित मीडिया रिपोर्टों का खंडन करते हुए कहा है कि उसकी पाकिस्तान को ये मिसाइलें देने की कोई योजना नहीं है। भारत में अमेरिकी दूतावास ने शुक्रवार को एक स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि मीडिया रिपोर्टों में 30 सितम्बर के जिस बिक्री अनुबंध का उल्लेख किया गया है, वह रखरखाव और पुर्जों के लिए है

- अमेरिकी दूतावास ने स्पष्टीकरण दिया कि पाकिस्तान से बिक्री अनुबंध रखरखाव व पुर्जों के लिये है।

और इसमें पाकिस्तान को इन मिसाइलों की आपूर्ति करने का जिक्र कहीं नहीं है।

दूतावास ने स्पष्टीकरण में कहा है , "30 सितंबर 2025 को युद्ध विभाग ने मानक अनुबंध घोषणाओं की एक सूची जारी की, जिसमें पाकिस्तान सहित कई देशों के लिए रखरखाव और पुर्जों के लिए मौजूदा विदेशी सैन्य बिक्री अनुबंध में संशोधन का उल्लेख था। प्रशासन इस बात पर ज़ोर देना चाहता है कि झूठी मीडिया रिपोर्टों के विपरीत, इस अनुबंध संशोधन का कोई भी हिस्सा पाकिस्तान को नई उन्नत मध्यम दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों (एएमआरएएएम) की आपूर्ति के लिए नहीं है। इसमें पाकिस्तान की किसी भी मौजूदा क्षमता का उन्नयन शामिल नहीं है।"

ट्रंप का पत्ता कटा, मारिया कोरीना मचाडो को नोबेल शांति पुरस्कार

वाइट हाउस प्रवक्ता ने कहा कि ट्रंप शांति समझौते कराने, युद्ध रुकवाने व जीवन बचाने का काम करते रहेंगे

- वेनेज़ुएला की "आयरन लेडी" के नाम से प्रसिद्ध, मचाडो का चयन, प्रजातंत्र का साहसिक बचाव करने, स्वतंत्र चुनाव की मांग पर अडिग रहने तथा मानवाधिकारों के उल्लंघनों को उजागर करने के लिये किया गया।
- पर्यवेक्षकों का मानना है कि नोबेल पुरस्कार समिति पर ट्रंप को चुनने के लिए भयंकर दबाव था, पर समिति ने मचाडो के नाम को तरजीह दी, क्योंकि पूरे विश्व में प्रजातंत्र खतरे में है तथा इस चयन से प्रजातंत्र के लिए संघर्ष करने वालों की हिम्मत बढ़ेगी।

-डॉ. सतीश मिश्रा---
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। वेनेज़ुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरीना मचाडो को अधिनायकवाद के खिलाफ उनके अडिग संघर्ष और लोकतंत्र की साहसिक रक्षा के लिए वर्ष 2025 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए चुनकर, ऐसा लगता है कि नोबेल समिति ने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को निराश कर दिया है, जो इस प्रतिष्ठित सम्मान को पाने के लिए बेहद उत्सुक, बल्कि लालायित थे।

घोषणा के बाद, वाइट हाउस ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुये कहा, "एक बार फिर नोबेल समिति ने साबित कर दिया कि वह शांति से ज्यादा राजनीति को महत्व देती है।" वाइट हाउस के प्रवक्ता स्टीवन चंग ने शुक्रवार शाम को कहा, "(लेकिन) राष्ट्रपति ट्रंप शांति समझौते करते रहेंगे, युद्ध खत्म कराते करेंगे और लोगों की जान बचाते रहेंगे। उनका दिल मानवतावादी है और उनकी जैसी इच्छाशक्ति से पहाड़ हिलाने वाला कोई दूसरा व्यक्ति नहीं है।"

ट्रंप, जिन्होंने खुद को नोबेल शांति पुरस्कार का हकदार बताया था और इसके लिए लगभग जुनून भरा अभियान चलाया था, जिसमें उन्होंने कुछ मामलों में झूठे दावे भी किए थे कि उन्होंने युद्ध रोके हैं, ने अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन जल्द ही उनके गुस्से भरे बयान की संभावना जताई जा रही है।

वेनेज़ुएला की आयरन लेडी कही जाने वाली माचाडो पिछले 14 महीनों से छिपकर रह रही हैं, क्योंकि उन्होंने राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के पक्ष में घोषित एक विवादास्पद चुनाव परिणाम को अस्वीकार कर दिया था।

सरकारी धमकियों, अयोग्यता और दमन के बावजूद, माचाडो लगातार स्वतंत्र चुनावों की मांग करती रही हैं और मानवाधिकार के उल्लंघनों को उजागर करती रही हैं। उन्हें यह सम्मान ऐसे समय में मिला है, जब वेनेज़ुएला में राजनीतिक स्वतंत्रता बुरी तरह प्रतिबंधित है।

समिति ने इस वर्ष वेनेज़ुएला पर ध्यान केन्द्रित करना बेहतर समझा, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप बार-बार सार्वजनिक रूप से यह कहते रहे कि वे इस पुरस्कार के योग्य हैं।

घोषणा से पहले, पुरस्कार विशेषज्ञों ने कहा था कि ट्रंप को यह पुरस्कार नहीं मिलेगा, क्योंकि वे उस अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को तोड़ रहे हैं, जिसे नोबेल समिति हमेशा से महत्व

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चेन्नई से साढ़े छह करोड़ की चांदी लेकर फरार हुए आरोपियों को पिलानी में दबोचा

झुंझुनूं पुलिस ने पिलानी में दो आरोपियों समेत तीन को दबोचा, 365 किलो चांदी का सामान जब्त

झुंझुनूं, (निसं)। जिले के पिलानी कस्बे की राजगढ़ रोड पर एक मकान में दबिश देकर तीन जनों को गिरफ्तार किया है। मौके से लगभग साढे छह करोड़ की 365 किलो 715 ग्राम चांदी का सामान भी जब्त किया है, जिसकी कीमत करीब साढ़े छह करोड़ आंकी जा रही है।

एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय को मिले इनपुट के बाद पिलानी पुलिस और एजीटीएफ चिड़ावा की टीम ने सीआई रणजीत सेवदा के नेतृत्व में यह बड़ी कार्रवाई की है। जानकारी के मुताबिक बगड़ थाना इलाके के केहरपुरा खुर्द निवासी विकास जांगिड़ व इसी गांव के निखिल जांगिड़ के खिलाफ आठ अक्टूबर को चेन्नई के फ्लॉवर बाजार जिले के एलीफेंट गेट थाने में वैभव मलरेचा ने धोखाधड़ी और गबन का मामला दर्ज करवाया था, जिसमें उसने आरोप लगाया था कि उसने चेन्नई में चांदी के सामान की मरम्मत और निर्माण की फैक्टरी संचालित करने वाले निखिल जांगिड़ और विकास जांगिड़ को दो अक्टूबर को 33 किलो से ज्यादा चांदी की पायल दी थी, जिनकी मरम्मत और पॉलिश का काम करना था, लेकिन आठ अक्टूबर तक चांदी की पायल वापिस नहीं आई और दोनों गायब हो गए। जब मौके पर जाकर देखा तो करीब एक दर्जन अन्य ज्वैलरी व्यवसायी भी मिले। जिनके भी चांदी के आभूषण इन दोनों को दिए गए थे, जिनका भी संपर्क दोनों से नहीं हो पाया। इस पर थाने में दोनों के खिलाफ गबन और धोखाधड़ी का मामला दर्ज करवाया गया।

मामला दर्ज होने के बाद चैन्नई पुलिस ने झुंझुनूं एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय को इनपुट दिया, जिस पर पुलिस सक्रिय हो गई। जयपुर से लेकर पिलानी तक सीसीटीवी कैमरे खंगालने और तकनीकी साक्ष्य जुटाने के बाद सामने आया कि दो-तीन दिन पहले ही इन आरोपितों ने पिलानी के राजगढ़ रोड में किराए पर मकान लिया है। इस पर शुक्रवार को दबिश दी गई है। मौके से पुलिस को निखिल और विकास के अलावा थिरपाली बड़ी निवासी राजबीर जांगिड़ भी मिला। फिलहाल तीनों को पुलिस ने शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। वहीं मौके से 365 किलो 715 ग्राम के चांदी का सामान जब्त कर चैन्नई पुलिस को सूचना दे दी है। चेन्नई पुलिस भी पिलानी के लिए रवाना हो गई है। एएसपी देवेंद्र सिंह राजावत ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि चैन्नई पुलिस के आने के बाद आगे की कार्रवाई होगी, फिलहाल तो आरोपितों को चैन्नई पुलिस को सौंपा जाएगा।

पिलानी कस्बे की राजगढ़ रोड पर पुलिस ने एक मकान में दबिश देकर तीन जनों को गिरफ्तार किया।

- **आरोपियों ने पिलानी के राजगढ़ रोड में किराए पर मकान लिया था, इस पर शुक्रवार को दबिश देकर कार्रवाई की गई**
- **चांदी का सामान जब्त कर चेन्नई पुलिस को सूचना दी, चेन्नई पुलिस भी पिलानी के लिए रवाना हुई**

हाईवे पर बाइक समेत जली हुई हालत में युवक का शव मिला

बेटे की मौत की जानकारी मिलने के बाद 70 वर्षीय मां ने भी सदमे में दम तोड़ दिया

सीकर, (निसं)। सीकर के फतेहपुर में दिल्ली बाइपास हाईवे पर शुक्रवार सुबह एक युवक बाइक समेत जली हुई हालत में मृत मिला। शव बाइपास पर चित्रकूट बालाजी मंदिर के पास मिला। इधर, बेटे की मौत की जानकारी मिलने के बाद 70 वर्षीय मां ने भी दम तोड़ दिया। अब दोनों का एक साथ अंतिम संस्कार होगा।

शरीर का नीचे का हिस्सा जला हुआ था :-कोतवाली थाना अधिकारी सुरेंद्र सिंह देगड़ा ने बताया कि शुक्रवार सुबह साढ़े चार बजे हादसे की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। शव बाइक के पास जली हुई हालत में था। युवक का शरीर का नीचे का हिस्सा पुरी तरह जल चुका था। बाइक भी आधी जली हुई थी। पुलिस ने बाइक के नंबर के आधार पर युवक की पहचान की। युवक दयाचंद (35) पुत्र हनुमान राम जाट वार्ड नंबर 47 बूबना कुआं के पास फतेहपुर का रहने वाला है। एफएसएल टीम ने मौके से सबूत जुटाए है। पुलिस अब पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह दुर्घटना है, आत्महत्या है या हत्या।

बेटे की मौत की खबर मिलने के बाद मां की भी मौत :-भाई पूरणमल ने बताया कि दयाचंद घर-घर जाकर कूलर पंखे ठीक करने का काम करता था। वह शाम सात बजे घर से निकला था। दयाचंद ने आखिरी फोन रात दो बजे अपनी भांजी को किया था। उसकी शादी नहीं हुई थी। उसके घर में माता-पिता के अलावा एक बड़ी बहन और बड़ा भाई है। शुक्रवार दोपहर दो बजे बेटे की मौत जानकारी मां सिंगारी देवी (70) को दी, जिसके बाद वह बेहोश हो गई। चेकअप के लिए तुरंत डॉक्टर को घर पर बुलाया। डॉक्टर ने जांच के बाद मां को मृत घोषित कर दिया। अब मां और बेटे दोनों का देर शाम एक साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा।

- **पुलिस ने बाइक नंबर के आधार पर युवक की पहचान की, एफएसएल टीम ने सबूत जुटाए**
- **पुलिस अब पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह दुर्घटना है, आत्महत्या है या हत्या**

बदमाशों ने ड्राइवर से मारपीट कर नगदी लूटी

सीकर, (निसं)। सीकर में लिफ्ट लेने के बहाने बदमाश ड्राइवर से मारपीट कर रुपए लेकर भाग गए। बदमाशों ने गाड़ी को रुकवाया और उसकी जेब से रुपए निकालकर भाग गए। मामला खाटूश्यामजी सदर थाने का है। एसएचओ कैलाश चंद यादव ने कहा कि घटना के बाद अब आस-पास के गांवों में सीसीटीवी फुटेज चेक करके गाड़ी और आरोपियों का पता लगाया जा रहा है।

अजबपुरा गांव के रहने वाले 27 साल के नेमीचंद पुत्र शंकरलाल ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि वह ड्राइवर का काम करता है। 9 अक्टूबर की सुबह 10:50 के करीब वह इर्टिगा गाड़ी लेकर खाटूश्यामजी लामिया चौराहे से आगे निकला। उस दौरान चार लोगों ने गाड़ी को रूकवाया। चारों लोगों ने लामिया गांव जाने के लिए लिफ्ट मांगी। ड्राइवर ने बताया कि उसे भी सीतारामपुरा गांव में किसी कार्यक्रम में जाना था। उसने चारों को गाड़ी में बैठा लिया। गाड़ी में बैठने के बाद बदमाशों ने मारपीट करना शुरू कर दिया। एक बदमाश ने खुद गाड़ी ड्राइव करना शुरू कर दिया। इसके बाद लामिया गांव से करीब एक किलोमीटर दूर लाल पत्थर के पास मुझे फेंककर भाग गए।

- **आस-पास के गांवों में सीसीटीवी चेक करके गाड़ी और आरोपियों का पता लगाया जा रहा है**

पॉक्सो के आरोपी को 20 साल का कारावास

भीलवाड़ा, (निसं)। नाबालिग लड़की का अपहरण करने और पॉक्सो एक्ट में दोषी मानते हुए विशाल दरोगा को विशिष्ट न्यायाधीश बालकृष्ण मिश्र ने 20 साल का कठोर कारावास और 62 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है।

एसपीपी धर्मवीर सिंह कानावत ने बताया कि इसके लिए कोर्ट में 20 गवाह और 41 दस्तावेज पेश किये गये थे। इसके तहत नाबालिग के अपहरण और पॉक्सो एक्ट में विशाल दरोगा को दोषी मानते हुए सजा सुनाई है। वहीं कोर्ट के विशिष्ट न्यायाधीश बालकृष्ण मिश्र ने आरोपी पर जुर्माना भी लगाया है।

प्रॉपर्टी डीलर पर जानलेवा हमला, दो मुख्य आरोपी गिरफ्तार

अजमेर, (निसं)। जमीनी विवाद को लेकर गत दिनों प्रॉपर्टी डीलर पर हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने दो मुख्य हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया है। शुक्रवार को पुलिस ने दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया है।

पुलिस आरोपियों से उनके अन्य साथियों के बारे में पूछताछ में जुटी है। दोनों मुख्य आरोपियों ने लाखों रुपए देकर बदमाशों को हायर किया था। मामले में 5 आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। मामला अजमेर के हरिभाऊ उपाध्याय नगर थाना क्षेत्र का है। एडीशनल एसपी हिमांशु जांगिड़ ने शुक्रवार को मामले का खुलासा कर मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि प्रॉपर्टी डीलर मनोज नानकानी पर जानलेवा हमला कर झाड़ियों में फेंकने वाले हमलावरों में से दो मुख्य हमलावरों तेजा चौक कोटड़ा निवासी गोविंद उर्फ गोविंद पुत्र रामेश्वर तथा पंजाब नेशनल बैंक के सामने फॉयसागर रोड निवासी मांगीलाल गुर्जर पुत्र कन्हैयालाल गुर्जर को शुक्रवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पूर्व में ही पांच हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया था। ये दोनों मुख्य आरोपी फरार थे।

जांगिड़ ने बताया कि यह विवाद एक प्रॉपर्टी को लेकर चल रहा था। उस जमीन को लेकर आपस में बातचीत भी हुई थी, लेकिन बाद में दोनों में विवाद बढ़ गया। मांगीलाल के खिलाफ सात मुकदमे अन्य थानों में दर्ज है, जबकि गोविंद पर जुएं और अन्य मुकदमा दर्ज हैं। जांगिड़ ने बताया कि आरोपी के खिलाफ संगठित अपराध की धारा मुकदमे जोड़ कर आगे की कार्यवाही की जाएगी। एएसपी जांगिड़ ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ प्रॉपर्टी डीलर मनोज नानकानी ने मुकदमा दर्ज कराया था।पुलिस दोनों आरोपियों से हमले में शामिल अन्य आरोपियों की पूछताछ में जुटी है।

यहां उल्लेखनीय है कि जानलेवा हमले में घायल हुए प्रॉपर्टी डीलर मनोज नानकानी का एक पैर काटना पड़ा था, जबकि उपचार के लिए उसे उसके परिजन भीलवाड़ा ले गए थे, जहां उसका उपचार कराया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच और फरार आरोपियों को पकड़ने में जुटी है।

किसान के बाड़े में अजगर दिखा

भीलवाड़ा, (निसं)। पुर में जिंदल प्लांट के गेट नंबर एक के पास किसान के बाड़े में अजगर के मिलने से दहशत फैल गई। किसान जेठमल माली ने बताया कि बाड़े में खाखले हटाया तो अजगर दिखाई दिया। वन्य जीव रक्षक कुलदीप सिंह राणावत और छोटू लाल कोली वन्य जीव रक्षक दल के साथ पहुंचे। इस टीम ने खतरनाक अजगर को रेस्क्यू किया, फिर अजगर को जंगल में छोड़ दिया।

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड
(राजस्थान सरकार का उपक्रम) एसबीयू एण्ड पीसी-लाईमस्टोन, 8, वेस्ट पटेल नगर, सर्किट हाउस रोड, जोधपुर- 342001 (राज.)
फोन नम्बर : (0291) 2511031/2516199 फेक्सः (0291) 2511029, E-Mail-jodhpur.rsmml@rajasthan.gov.in

ई-निविदा सूचना दिनांक :- 09/10/2025

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
आर.एस.एम.एम. / एसबीयू एण्ड पीसी–एल.एस / प्रमुख एंव प्रभारी – एलएस / संविदा– 07 / 2025–26 दिनांक 09.10.2025 UBN No. MML2526SLOB00095	आर.एस.एम.एम.एल के एसबीयू एंव पीसी लाइमस्टोन जोधपुर कार्यालय मे 2 प्रोफेशनल व्यक्तियो की लिपिकिय कार्य करने हेतु। अनुमानित मूल्य (रू.) 14.40 लाख, धरोहर राशि (रू.) – 28,800 / –, निविदा राशि – 590 / –

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com अथवा www.sppp.rajasthan.gov.in अथवा प्रबन्धक (अनुबंध) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।
राज.संवाद/सी/25/11856 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

कार्यालय नगरपरिषद झालावाड़ (राज0)
क्रमांक : न.परि.झा. / Env./ SBM / 2025 / 3996 दिनांक: 08.10.2025
-: ई-निविदा :-
(Nit No. 03 /2025-26)
UBN No :- DLB2526WSOB20940
NIB Code :- DLB2526A6909
नगरपरिषद झालावाड़ द्वारा वितिय वर्ष 2025–26 में राजस्थान के विभिन्न विभागो / निगमो / स्वायत्त शासन संस्थान / बोर्डो / राजकीय उपक्रमो के "A", "AA", श्रेणी में पंजीकृत संवेदको तथा स्वायत्त शासन विभाग राज0 के अधीन विभागो / संस्थानो / नगरपालिका / नगरपरिषद / नगर निगम में निर्धारित श्रेणी में निविदा जारी होने की दिनांक को पंजीकृत संवेदको से एवं निम्न कार्य विशेष का अनुभव रखने वाले अन्य पंजीकृत संवेदको (reputed art galleries/ Firms dealing with art work/ Junk to Art work/ Art Curator / Art Consultancy / Design Firms etc.) Is Supply and fixing of waste to wealth sculptures and other works in traffic park and bhawani park. हेतु निम्नानुसार निविदायें दिनांक 30.10.2025 को दोपहर 3.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। संवेदक द्वारा निविदा प्रपत्र एवं शर्तो का विवरण वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त किये जा सकेंगे।
आयुक्त
राज.संवाद / सी / 25 / 11906 नगरपरिषद झालावाड

किसान ने आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। इटावा थाना इलाके में किसान ने किसी जहरीले पदार्थ का सेवन कर सुसाईड कर लिया। जानकारी के अनुसार फसल खराब होने से मानसिक तनाव के कारण किसान ने आत्महत्या का कदम उठाया है। इटावा थाने के थानाधिकारी संदीप विश्नोई ने बताया कि इटावा निवासी जगदीश प्रजापत ने गुरूवार को किसी जहरीले पदार्थ का सेवन कर आत्महत्या का प्रयास किया, जिसे उपचार के लिये इटावा के चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहां हालत में सुधार नहीं होती देख जगदीश प्रजापत को कोटा के एमबीएस अस्पताल के लिये रैफर कर अस्पताल में भर्ती किया, जहां उपचार के दौरान जगदीश प्रजापत ने दम तोड़ दिया। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक के परिजनों ने बताया कि फसल खराबे को लेकर काफी तनाव में थे।

सीएम भजनलाल शर्मा व केंद्रीय मंत्री पाटील आज मंड्रेला आएंगे

झुंझुनूं, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटील के शनिवार को मंड्रेला में होने वाले दौरे को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। इसी कड़ी में झुंझुनूं विधायक जनसुनवाई केंद्र में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच मुख्य अतिथि रहे, जबकि विधायक राजेंद्र भांबू ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में मुख्यमंत्री की सभा को सफल बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गई।

विधायक राजेंद्र भांबू ने कहा कि मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री के दौरे को लेकर कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है। उन्होंने बताया कि सभी मोर्चों पर तैयारी पूरी कर ली गई है। प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने झुंझुनूं जिले की पेयजल और सिंचाई जल समस्या को दूर करने के लिए प्राथमिकता से काम शुरू किया है। उन्होंने बताया कि कुंभाराम नहर जल परियोजना का लाभ जिले की तीन विधानसभाओं पिलानी, सूरजगढ़ और उदयपुरवाटी को मिलेगा।

इसके साथ ही झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र के कुछ गांवों को भी परियोजना से जोड़ा जाएगा। दाधीच ने बताया कि इस योजना के तहत 129 गांवों को पेयजल आपूर्ति से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को मंड्रेला में आयोजित सभा में जिले को पेयजल का बड़ा उपहार देने वाले हैं, जिससे पिलानी विधानसभा सहित आस-पास के क्षेत्रों की वर्षों पुरानी जल समस्या का समाधान होगा। बैठक में भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, मंडल अध्यक्ष और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस मौके पर जिला प्रमुख व भाजपा जिलाध्यक्ष हर्षिनी कुलहरि, भाजपा प्रदेश मंत्री विजेंद्र पूनियां, भाजपा राष्ट्रीय परिषद सदस्य विश्वंभर पूनियां, पूर्व विधायक वीरेंद्र सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष पवन मावंडिया, जिला महामंत्री सरजीत चौधरी, बगड़ नगरपालिका अध्यक्ष गोविंदसिंह राठौड़, पूर्व सभापति खालिद हुसैन आदि मौजूद थे।

1.1 Abridged NIB 13/2025-26
SE CUM PROJECT MANAGER, WATERSHED CELL CUM DATA CENTRE, ZILA PARISHAD SAWAI MADHOPUR
File No.()/ 1910 **NOTICE INVITING BID** Date: 03.10.2025
NIB NO. 27, 28, 29, 30, 31 YEAR 2025-26
(04 packages) construction of Vermi compost works under PMKSY 2.0 in Sawai Madhopur district of estimated value INR 148.44 LACs (78.40+20.45+21.75+12.18+15.66) are invited from interested bidders up to 6.00 PM Date 13.10.2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state and department website (https://water.rajasthan.gov.in/wdsc).
NIB CODE- WSC2526A0807, UBN- WSC2526WSOB01393, WSC2526WSOB01394, WSC2526WSOB01395, WSC2526WSOB01396, WSC2526WSOB01397
SE CUM PROJECT MANAGER
WATERSHED CELL CUM DATE CENTRE
DIPR/C/14821/2025 ZILA PARISHAD SAWI MADHOPUR

कार्यालय उपवन संरक्षक धौलपुर
क्रमांक-उ.व.स.धौ/लेखा/निविदा/2025-26/5909-18 दिनांक-01.10.2025
Notice Inviting Bid
Bid for various works are invited from interested bidders upto 1.30PM 14.10.2025. other particulars of bid may be visited on the procurement portal http://sppp.raj.nic.in or https://eproc.rajasthan.gov.in/ of the state.

S.No.	Name of Work	Amount	UBN NO.
1	Construction of 1000 m Boundry Wall in Range Bari	40.00 Lacs	FOR2526 WSOB02364
2	Office Roof Repair work	14.15 Lacs	FOR2526 WSOB02367

DIPR/C/14738/2025 DCF Dholpur

(राजस्थान सरकार)
श्री गणेश राजीविका महिला सर्वांगीण विकास सहकारी समिति लिमिटेड, टोडाभीम, जिला करौली
क्रमांक- 232 दिनांक-29.09.2025
खुली बोली सूचना
महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना में विभिन्न मशीन व उपकरण आपूर्ति हेतु रूचि रखने वाले बोलीदाताओं से दिनांक 15.10.2025 को 5.00 पीएम तक बोलीयाँ आमंत्रित की जाती है। बोली से सम्बन्धित अन्य जानकारी राज्य लोक उपापन पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
UBN NO. RGA2526GLOB00232
DIPR/C/14747/2025 जिला प्रबन्धक वित्त, राजीविका करौली

कार्यालय नगरपालिका सुकेत जिला-कोटा (राज0)
Email- nagarpalikasuket@gmail.com
क्रमांक : न.पा.सु / स्टो. / 2025 / 1283 दिनांक 08.10.2025
-:: निविदा सूचना ::-
सर्व साधारण एवं पंजीकृत सप्लायर्स को सूचित किया जाता है कि नगरपालिका सुकेत को निम्नांकित सामग्री एवं किराये पर कार्य हेतु वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए दरों (रेट–कॉन्ट्रेक्ट) हेतु सीलबन्द निविदायें आमन्त्रित की जाती है। निविदायें संबंधित निम्न कार्य / सामग्री के सामने अंकित दिनांक 27.10.2025 को 12:00 बजे तक निर्धारित प्रपत्र / धरोहर राशि नगद / डी.डी द्वारा जमा कर निविदा प्रपत्र प्राप्त किया जाकर 2:00 बजे (पी.एम.) तक प्रस्तुत की जा सकेगी। इसके पश्चात उसी दिवस दोपहर 3:00 बजे तक उपस्थित निविदा दाताओ के समक्ष खोली जावेगी। अन्य जानकारी / शर्ते किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय में आकर देखी जा सकती है। सषर्त निविदा मान्य नही होंगी। उक्त निविदा सूचना वेबसाइड www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।
NIB DLB2526A6936 UBN DLB2526WSRC21012
अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद / सी / 25 / 11876 नगरपालिका सुकेत

जालोर में मुस्लिम समाज का कांग्रेस जिलाध्यक्ष पद लेने पर जोर

जालोर, (कासं)। जालोर में कांग्रेस पार्टी ने पिछले साठ वर्ष से कांग्रेस ने मुस्लिम समाज से जिलाध्यक्ष नहीं बनाया है, इसलिए इस बार पार्टी संतुलन साधने के लिए अल्पसंख्यक वर्ग को अवसर दे सकती है। कांग्रेस का जिलाध्यक्ष जालोर जिले में नवंबर माह में चुना जाएगा। जिलाध्यक्ष के दौड़ में क्रांग्रेस जिला उपाध्यक्ष जुल्फिकार अली भुट्टो, क्रांग्रेस युवा नेता भरत सराधना, सवाराम चौधरी भी शामिल है।

जालोर कांग्रेस जिलाध्यक्ष पद के लिए करीब दस दावेदार सक्रिय रूप से जोड़-तोड़ में लगे हुए हैं। संगठन के अंदर नए समीकरण बन रहे हैं और पुराने खेमों के बीच संतुलन बैठाने की कवायद तेज है। यह चयन कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत होगा। जिले में 12 ब्लॉक और 122 पंचायत समितियों से जुड़े नेता इस पद के लिए सक्रिय हैं। दावेदारों में युवा, वरिष्ठ और जातीय संतुलन को देखते हुए नाम तय किया जाएगा।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, जिलाध्यक्ष पद के लिए लगभग दस नामों पर मंथन चल रहा है। इनमें वरिष्ठ नेताओं के साथ युवा चेहरे और अल्पसंख्यक वर्ग के प्रतिनिधि भी शामिल हैं। अल्पसंख्यक वर्ग से कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष जुल्फिकार अली भुट्टो, सांचौर पूर्व प्रधान शमशेर अली और कांग्रेस के पूर्व जिला मंत्री शहजाद खान को मजबूत दावेदार माना जा रहा है। देवासी समाज से एनएसयूआई पूर्व राष्ट्रीय सचिव भरत सराधना और मेघवाल समाज से जिलाध्यक्ष भंवरलाल मेघवाल भी दौड़ में शामिल हैं। मेघवाल संगठन में सक्रिय भूमिका और क्षेत्रीय समीकरणों के कारण इन नामों को भी गंभीरता से देखा जा रहा है। जुल्फिकार अली कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष पद पर है। अल्पसंख्यक वर्ग व जिले में अच्छी पकड़ है तथा पिछले बीस वर्षों से कांग्रेस में सक्रिय है। समाज में अच्छी पकड़ है। कांग्रेस पार्टी में कई पदों पर भी रह चुके है। शमशेर अली पूर्व प्रधान, लंबे समय से संगठन से जुड़े और सामाजिक कार्यों में सक्रिय है।

देवासी समाज के युवा नेता भरत सराधना जो युवा चेहरा, संगठनात्मक दृष्टि से सक्रिय भूमिका है। देवासी क्षेत्रीय स्तर पर प्रभावशाली संगठन में लंबे समय से कार्यरत है। मेघवाल समाज के भंवरलाल मेघवाल जो वर्तमान में जिलाध्यक्ष है। मेघवाल समाज से अनुभव और संगठनात्मक पकड़ कांग्रेस विचारधारा से जुड़े हुए हैं। आहोर क्षेत्र से पूर्व में संगठनात्मक जिम्मेदारियाँ निभाई।

प्रदेश नेतृत्व इस बार ऐसा चेहरा चाहता है जो दोनों गुटों को साथ लेकर आगे बढे, साथ ही जमीनी स्तर पर संगठन को फिर से मजबूत करे। जातीय संतुलन और युवाओं की भागीदारी को भी अहमियत दी जाएगी। सूत्रों के अनुसार, ब्लॉक और जिला स्तर पर रायशुमारी के बाद नवंबर के पहले सप्ताह में नया जिलाध्यक्ष घोषित किया जाएगा। कांग्रेस नेतृत्व का फोकस इस बार सर्वमान्य, संतुलित और सकिय कार्यकर्ता को नेतृत्व देने पर है। जालोर में कांग्रेस का नया जिलाध्यक्ष तय होना सिर्फ संगठनात्मक बदलाव नहीं, बल्कि गुटबाजी खत्म कर एकजुटता की दिशा में बड़ा कदम साबित हो सकता है। ऐसा नेता जो दोनों खेमों को साध सके और हर वर्ग में स्वीकार्य हो, वही इस बार कांग्रेस की कमान संभालेगा।

जुल्फिकार अली

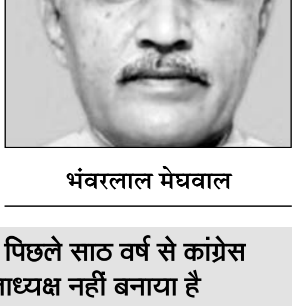
भंवरलाल मेघवाल

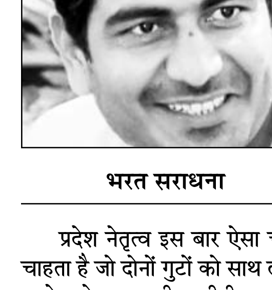
भरत सराधना

- **जालोर में कांग्रेस पार्टी ने पिछले साठ वर्ष से कांग्रेस ने मुस्लिम समाज से जिलाध्यक्ष नहीं बनाया है**
- **इस बार पार्टी संतुलन साधने के लिए अल्पसंख्यक वर्ग को अवसर दे सकती है**

RAJASTHAN LIVESTOCK DEVELOPMENT BOARD
Pashudhan Bhawan Parisar, Tonk Road, Jaipur, Phone : 0141-4064974
Email – rldb.ah@rajasthan.gov.in, rldbraj@gmail.com
No. :- RLDB/LN/2025-26/5613 Dated :- 08/10/2025
INVITATION OF E-BIDS FOR LIQUID NITROGEN
E-bids are invited from 10.00 AM on 10.10.2025 To 5.00 PM on 31.10.2025 from the Manufacturers/Distributors/Authorized Dealers/Bona-fide Resellers for procurement of Liquid Nitrogen for an estimated value of Rs. 05.00 Crore for the institutions of Department of Animal Husbandry receiving Liquid Nitrogen from Rajasthan Livestock Development Board (RLDB) for one year. Details of the bidding document may be seen on the procurement portal **(http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in)** of the State; and RLDB website i.e. **rldb.rajasthan.gov.in.**
UBN No. : ANH2526GLRC00206
Raj.Samwad/C/25/11931 Chief Executive Officer

कार्यालय नगरपालिका बाली (पाली) राज.
Tel.- (02938) 222045 E-mail : municpalboardbali@yahoo.in
क्रमांक : न.पा.बा. / 2025–26 / 2424 दिनांक : 08.10.2025
-:: Notice Inviting Bid MB-11/2025-26::-
Bid for works (02 Nos 22.4 lacs) of subject matters of procurement are invited from interested bidders upto (date)& (time). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal. **www.sppp.rajasthan.gov.in** and **www.eproc.rajasthan.gov.in** of the state departmental website.

S.NO	Work Name	UBN NO.
1	दिपावली पर्व पर पालिका क्षैत्र में रंगीन रोशनी व्यवस्था करने का कार्य।	DLB2526SLRC21089
2	पालिका क्षैत्र के डिवाईड पर विद्युत पोल लगाने का कार्य।	DLB2526WSOB21090

राज.संवाद / सी / 25 / 11872 अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगरपालिका विद्या विहार पिलानी (राज.)
क्रमांक :–न0पा0वि0वि0 / 2152 दिनांक :– 08.10.2025
निविदा/ई–निविदा सूचना
नगर पालिका विद्या विहार द्वारा नगर पालिका में विभिन्न स्थानों पर सिविल निर्माण कार्य एंव इलेक्ट्रीक कार्य हेतु उपयुक्त सक्षम श्रेणी के केन्द्र / राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में पंजीकृत ठेकेदारों / फर्मस् http://www.eproc.rajasthan.gov.in/ तथा http://sppp.rajasthan.gov.in पोर्टल पर ऑनलाईन ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण निम्न विवरणानुसार इंटरनेट साईट http://sppp.rajasthan.gov.in/ पर भी देखी जा सकती है।

NIT NO.	Tender NIB Number	Tender UBN Number
ENIT-13/ 2025-26	DLB2526A6930	(DLB2526WSOB20982)

राज.संवाद / सी / 25 / 11868 अधिशाषी अधिकारी

RAJASTHAN POLICE INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT CORPORATION LTD, JAIPUR
(Government of Rajasthan Undertaking) CIN NO. U45201RJ2013SGC083014, Regd. Office : 756, Police Head Quarter, Lal Kothi, Jaipur (Raj.), Phone: 0141-2740784, Fax: 0141-2744294, e-mail: rpidcl@rajasthan.gov.in
क्रमांक :- RPHCCL/469/NIT/2025-26/D - 2841 दिनांक :- 07/10/2025
ई-निविदा सूचना सं. 29/2025-26
निम्नलिखित कार्यों के लिए राज्य / केन्द्र सरकार के अभियांत्रिकी विभागों / उपक्रमों में समकक्ष श्रेणी में पंजीकृत योग्य एवं अनुभवी संवेदकों से नियमानुसार पाँच वर्ष की डीएलपी के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्र में क्रम संख्या 01 से 04 तक की निविदा Two Bid System के तहत आमंत्रित की जाती है।

निविदा की कुल लागत	रूपये 2319.81 लाख
ऑन लाईन निविदा फॉर्म मिलने की तारीख	13 अक्टूबर 2025 प्रातः 9.30 बजे से 13 नवम्बर 2025 सायं 4.00 बजे तक
ऑन लाईन निविदा फॉर्म जमा कराने की तारीख	13 नवम्बर 2025 सायं 6.00 बजे तक
ऑन लाईन निविदा खोलने की तारीख	14 नवम्बर 2025 सायं 1.00 बजे

निविदा सम्बन्धित जानकारी राजस्थान पुलिस की बेबसाइट www.police.rajasthan.gov.in/ www.sppp.raj.nic.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध रहेगी। इच्छुक संवेदको को निविदा संबंधित जानकारी प्रबन्ध निदेशक कार्यालय से कार्यालय समय में प्राप्त की जा सकती है। भविष्य में निविदाओं में संशोधन होने पर उपरोक्त वेबसाइटों पर ही प्रेषित किया जावेगा।
UBN No. : RID2526WLOB00387 To RID2526WLOB00390
राज.संवाद/सी/25/11928 महाप्रबन्धक

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
रजि. ऑफिस.- विद्युत भवन, ज्योति नगर, जयपुर-302005
Website : http://energy.rajasthan.gov.org/jvvnl, कार्यालय मुख्य अभियन्ता (कोटा संभाग)
नयापुरा पॉवर हाऊस, खाई रोड़, कोटा- 324001, दूरभाष नं. 0744- 2320881, 2450066, ईमेल :- zcekz@jvvnl.org
ई - निविदा सूचना
जयपुर डिस्कॉम के झालावाड़ वृत्त में सहायक अभियता (पवस), जेपीडी, सारोला कलां के अधिकार क्षेत्र में टीएन–41 / 2025–26 के अंतर्गत अधिशाषी अभियंता, जल संसाधन, परवन परियोजना, खंड–1, झालावाड़ के पक्ष में परवन परियोजना के चार पंपिंग स्टेशन (क्षमता 630 केवीए (1) और 500 केवीए (3)) के कनेक्शन हेतु, 33 / 11 केवी डूंगरपुर सब स्टेशन व इसके अंतर्गत 33 केवी लाईनों के निर्माण कार्य करने हेतु दो भागों में ई–निविदा (तकनीकी–वाणिज्यिक) एआरसी–2025 के आधार पर योग्य निविदादाताओं से श्रम दर पर आमंत्रित किये जाते है। योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा सम्बन्धित दस्तावेज ई–प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 13.10.2025 से डाउनलोड कर सकते है। निविदाऐं ऑनलाईन ई–पोर्टल पर दिनांक 27.10.2025 को सांय 05:00 बजे तक ही स्वीकार की जावेगी। निविदा सम्बन्धी जानकारी, कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेबसाईट http://energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in & http://www.eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।
(UBN No. : VVN2526WSOB00435)
राज.संवाद/सी/25/11854 जेपीआर - 3066 (2025) संभागीय मुख्य अभियंता (कोटा संभाग)
बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

डीएपी खाद लेने के लिये कतार में खड़े किसानों पर पुलिस ने लाठियां बरसाई

बिना किसी चेतावनी के अचानक लाठीचार्ज से किसानों में भगदड़ मची, कई किसानों को चोटें आई

- भगदड़ के बीच उनकी चप्पलें, कपड़े और अन्य सामान छूट गए, किसान नेताओं ने चेतावनी दी कि दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन करेंगे

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले के भादरा कस्बे में डीएपी खाद मांग रहे किसानों पर पुलिस ने लाठियां बरसा दी। खाद लेने के लिए कई महिलाएं भी कतार में लगी थी। बिना किसी चेतावनी के अचानक लाठीचार्ज करने से किसानों में भगदड़ मच गई और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। भगदड़ के कारण कई किसानों को चोटें आईं हैं। भगदड़ के बीच उनकी चप्पलें, कपड़े और अन्य सामान वहीं छूट गए। किसान नेताओं ने चेतावनी दी कि दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन करेंगे।

जानकारी के अनुसार घटना शुक्रवार सुबह 11.30 बजे की है। डीएपी खाद लेने के लिए कृषि विश्राम गृह के बाहर बड़ी संख्या में किसान और महिलाएं लाइन में लगे थे। भारी भीड़ के कारण कई बार धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई। कई महिलाएं दीवार कूदकर कृषि विश्राम गृह के अंदर घुस गई। भीड़ के नियंत्रण से बाहर होने पर पुलिसकर्मियों ने लाठीचार्ज कर दिया। इस दौरान मौके पर भगदड़ मच गई।

जानकारी के अनुसार भादरा कस्बे के कृषि विश्राम गृह में शुक्रवार को डीएपी खाद के लिए टोकन वितरण किया जाना था। इसकी सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में किसान गुरुवार रात को ही लाइन में लग गए, ताकि उनको समय पर खाद मिल सके। शुक्रवार सुबह 10 बजे ऑफिस खुलने से पहले सैकड़ों किसान डीएपी खाद लेने के लिए लाइन में लगे हुए थे। इसमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थी। लंबी लाइनों के कारण कई बार धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई। सुबह करीब 11:30 बजे टोकन वितरण के दौरान भीड़ नियंत्रण से बाहर हो गई। कई किसान और महिलाएं दीवार कूदकर कृषि विश्राम गृह के अंदर घुस गए। पुलिस ने स्थिति संभालने के लिए लाठीचार्ज कर दिया। अचानक हुए लाठीचार्ज के कारण किसानों में भगदड़ मच गई और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लाठीचार्ज को लेकर किसानों में गुस्सा देखने को मिला। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्वक खाद के लिए लाइन में लगे थे, लेकिन पुलिस ने बिना वजह उन पर बल प्रयोग किया।

करवाचौथ के दिन शहर और गांव की महिलाएं सज-धज कर पूजा की तैयारी में जुटी होती हैं, लेकिन भादरा में महिलाएं खाद वितरण केंद्र पर लंबी कतार में लगी थी। वे खेतों की जरूरत के लिए डीएपी खाद का बैग लेने के लिए टोकन लेने की होड़ थी। लाठीचार्ज के विरोध में अखिल भारतीय किसान सभा के नेतृत्व में किसान संगठन के पदाधिकारियों ने नारेबाजी की और भादरा उपखंड ऑफिस में एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

पूर्व विधायक बलवान पूनिया ने कहा कि भादरा में खाद के लिए लाइन में लगे किसानों पर लाठीचार्ज करना निंदनीय है। हमारी मांग है कि डीएपी खाद की व्यवस्था सही की जाए। मौजूदा विधायक चुनाव से पहले इसी जनता को देवतुल्य बताते थे, लेकिन आज इनको सुबह चार बजे से लाइन में लगाकर दोपहर में लाठियों से पिटवा रहे हैं। पूनिया ने कहा कि ऐसे दोगले लोगों से सावधान रहने की जरूरत है। जितने लोग खाद के लिए जागरूक हैं, इतने लोग एसडीएम दफ्तर पर धरना देकर बैठ जाते तो खाद किसानों के घर भेज देते, इसलिए संघर्ष का रास्ता अपनाओ और हक के लिए आवाज उठाओ।

रॉंग साइड से आई पिकअप ने चार दोस्तों को कुचला, एक की मौत

- हादसे में तीन अन्य घायल हो गए, घायलों को एसके अस्पताल में भर्ती कराया
- चारों दोस्त एक होटल में खाना खाने गए थे और खाना खाने के बाद सड़क किनारे खड़े थे

सीकर, (निसं)। सीकर में रॉन्ग साइड से आई पिकअप गाड़ी ने चार दोस्तों को कुचल दिया, जिससे एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। घायलों को एसके अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार चारों दोस्त एक होटल में खाना खाने गए थे और खाना खाने के बाद सड़क किनारे खड़े थे। इसी बीच सीकर की तरफ से रॉन्ग साइड से आ रही पिकअप ने उन्हें कुचल दिया। यह हादसा बीती रात दादिया थाना इलाके में हुआ। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच कर रही है।

महेंद्र सैनी (मृतक) के बड़े भाई श्रवण ने बताया कि मेरा भाई महेंद्र सैनी (25) अपने दोस्तों के साथ हरदयालपुरा में होटल पर खाना खाने के लिए गया था। वह सड़क किनारे अपने एक दोस्त के साथ बाइक पर बैठा था, जबकि दो दोस्त नीचे खड़े थे। मेरा भाई ड्राइवरी का काम करता था। श्रवण ने बताया कि रात को उन्हें ट्रॉमा केंद्र से सूचना मिली कि उनके भाई की मौत हो गई जबकि अन्य तीन सुरेंद्र, अंकित और सुनील घायल हो गए। मृतक महेंद्र पांच भाइयों में सबसे छोटा था। पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। परिवार की आर्थिक स्थिति ज्यादा ठीक नहीं है।

मामले में दादिया थाना इंस्पेक्टर बुद्धिप्रसाद का कहना है कि परिजनों की तरफ से गाड़ी के नंबरों के आधार पर मामला दर्ज करवाया गया है। मुकदमा दर्ज करके इन्वेस्टिगेशन शुरू कर दिया गया है। गाड़ी की तलाश की जा रही है।

चोरी की 10 बाइक बरामद, दो शातिर बदमाश गिरफ्तार

अलवर, (निसं)। भिवाड़ी पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए भिवाड़ी एसपी प्रशांत किरण के निर्देशन में थानाधिकारी देवेंद्र प्रसाद के नेतृत्व में गठित विशेष टीम द्वारा दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। वहीं चोरों के कब्जे से 10 बाइक बरामद की है।

भिवाड़ी पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में दो जनों को गिरफ्तार किया।

इस मामले में भिवाड़ी डीएसपी कैलाश चौधरी ने बताया कि शंकर पुत्र बाबूलाल सैनी निवासी जौडिया पट्टी, बहादुरपुर अलवर और उनशेद उर्फ बिल्ली पुत्र कमरूदीन निवासी टोहरी, किशनगढ़बास को गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों ने अपना जुर्म कबूल किया। आरोपियों के कब्जे से नीमराना, सदर अलवर, कोतवाली अलवर, रामगढ़ और लक्ष्मणगढ़ थाना क्षेत्रों से चोरी की गई 10 मोटरसाइकिलें बरामद की गई। आरोपी शंकर का आपराधिक रिकार्ड रहा है और वह पहले भी चोरी के मामलों में जेल जा चुका है। पुलिस अन्य संभावित वारदातों और सह-आरोपियों के बारे में गहन जांच कर रही है।

जनजाति वर्ग की बालिकाओं के लिये निःशुल्क व्यवस्था की

- जनजाति वर्ग की बालिकाओं के कॅरियर निर्माण की दिशा में कदम उठाया

जयपुर। बालिकाओं की शिक्षा और रोजगार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। मुख्यमंत्री की इसी सोच के अनुरूप जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग ने जनजाति वर्ग की बालिकाओं के कॅरियर निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

विभाग द्वारा आई.आई.टी. जे.ई.ई./नीट परीक्षा-2026 व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाली जनजाति वर्ग की छात्राओं के लिए जयपुर स्थित जनजाति भवन में संचालित शिक्षा कौशल प्रशिक्षण एवं ट्रेनिंग सेन्टर में आवास व भोजन की निःशुल्क व्यवस्था की गई है ताकि वे पूरा ध्यान परीक्षा तैयारी में लगा सके।

जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग के आयुक्त कन्हैयालाल स्वामी ने बताया कि इस योजना का लाभ चाहने वाली बालिका मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना में चयनित हो तथा वह 2026 में आयोजित होने वाली आई.आई.टी., जे.ई.ई. या नीट अथवा अन्य किसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही हो। ऑनलाईन आवेदन प्रक्रिया हेतु विभागीय वेबसाईट 11 अक्टूबर से 22 अक्टूबर तक वेबसाइट पर जाकर जाकर आवेदन किया जा सकता है।

अवैध बजरी परिवहन करते ट्रैक्टर-ट्रॉली व जेसीबी जब्त

कोटा, (निसं)। बूढ़ादीत पुलिस टीम ने ग्रामीण इलाके में अवैध परिवहन के विरूद्ध कार्रवाई करते हुए अवैध बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने मौके पर कार्रवाई करते हुए बजरी भरने वाली जेसीबी मशीन को भी जब्त किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि ग्रामीण इलाको में अवैध खनन के विरूद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि उसी अभियान के तहत पुलिस उप अधीक्षक इटावा शिवम जोशी के सुपरविजन में बूढ़ादीत थाने के सहायक उप निरीक्षक नन्दलाल सैनी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने इलाके में चैकिंग के दौरान अवैध खनन के विरूद्ध कार्रवाई करते हुए बड़ौद निवासी अरूण बैरवा (20) को अवैध बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित गिरफ्तार किया है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने मौके से अवैध खनन में लिप्त जेसीबी को भी जब्त किया है।

1100 किलो सोयाबीन तेल व एक हजार किलो नमकीन सील

अन्य ऑयल मिल पर तेल सैम्पल लिया

नदबई/भरतपुर, (निसं)। शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारी महेश कुमार शर्मा व रूपसिंह के नेतृत्व में विभागीय टीम ने नदबई-नगर रोड स्थित ललित इंटरप्राइजेज फर्म पर कार्रवाई करते हुए करीब 1100 किलो सोयाबीन तेल व करीब एक हजार किलो नमकीन को सील किया, जबकि, कुम्हेर रोड स्थित अमित ऑयल मिल पर तेल का सैम्पल लिया।

इससे पहले खाद्य विभाग की टीम ने ललित इंटरप्राइजेज फर्म पर नमकीन की जांच की। जांच के दौरान पांच ड्रम में रखे सोयाबीन तेल में मिलावट का अंदेशा होने पर सोयाबीन तेल का सैम्पल लिया। वहीं, सैम्पल जांच नहीं होने तक पांच ड्रम में रखे करीब 1100 किलो सोयाबीन तेल व तेल से बनी करीब एक हजार किलो नमकीन को सील कर दिया। बाद में खाद्य विभाग की टीम ने कुम्हेर रोड स्थित अमित ऑयल मिल पर सरसों तेल का सैम्पल लिया। उधर, खाद्य विभाग की कार्रवाई देख व्यापारियों में हड़कंप मच गया। मुख्य बाजार में व्यापारी भी दुकान बंद करते हुए इधर-उधर हो गए।

बिना लाइसेंस पटाखा दुकानें लगाने पर केस दर्ज

जोधपुर, (कासं)। शहर की कुड़ी भगतासनी पुलिस ने बिना पटाखा लाइसेंस लिए पटाखों की दुकान लगाए जाने पर दो लोगों पर केस दर्ज किया। दुकानों से काफी मात्रा में पटाखों को जब्त किया गया। विस्फोटक अधिनियम में केस बनाए गए। हैड कांस्टेबल भगवानदान ने सेक्टर 2 पर एक दुकान पर दबिश दी। दुकानदार नई बस्ती दइजर करवड़ निवासी विक्रम सिंह पुत्र अणदाराम को पटाखों के लाइसेंस के बारे में पूछा तो वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। इस पर दुकान से पटाखें जब्त किए गए।

श्रीगंगानगर के रत्तेवाला गांव के पूर्व सरपंच ने फर्जी पट्टे जारी किए

- फर्जी मोहर व साइन से पट्टे जारी कर जमीन हड़पने की कोशिश की
- ग्रामीण ने पूर्व सरपंच और उसके तीन सहयोगियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया

श्रीगंगानगर, (निसं) जिले के रत्तेवाला गांव में फर्जी पट्टों के जरिए जमीन हड़पने का मामला सामने आया है। एक ग्रामीण ने गांव के पूर्व सरपंच और उसके तीन सहयोगियों के खिलाफ अनूपगढ़ एसीजेएम कोर्ट में शिकायत देकर मामला दर्ज कराया है। आरोप है कि पूर्व सरपंच ने फर्जी मोहर और हस्ताक्षर का इस्तेमाल कर 1991 की पीछे की तारीख में 4 फर्जी पट्टे तैयार किए ताकि पंचायत और ग्रामीणों की जमीन हड़पी जा सके।

कोर्ट में दी शिकायत में टोपनराम निवासी 15 बीएलएडी (श्रीविजयनगर) ने बताया कि आरोपी तेजासिंह पूर्व में 15 बीएलडी (ए) ग्राम पंचायत का सरपंच रह चुका है। पूर्व सरपंच ने फर्जी मोहर बनाकर 19 मार्च 1991 की तारीख में 4 पट्टे जारी किए। ये पट्टे कथित तौर पर उनके और उनके परिवार के लोगों के नाम पर बनाए गए, जिनमें टोपनराम के फर्जी हस्ताक्षर गवाह के तौर पर दर्ज किए गए। शिकायतकर्ता को जब इसकी जानकारी मिली तो उसने तेजासिंह से संपर्क किया और पट्टों की फोटो कॉपी ली। जांच में पता चला कि इन पट्टों में न तो ग्राम पंचायत सचिव के हस्ताक्षर हैं, न ही भवन संख्या, पट्टा संख्या और न ही जमीन का नक्शा बना। आरोप है कि तेजासिंह ने मृतक हरीचंद पुत्र तुलसीराम और भागसिंह पुत्र उत्तमसिंह के नाम पर भी फर्जी पट्टे बनाए। इतना ही नहीं, हरीचंद की फर्जी रसीद बनाकर तेजासिंह ने जमीन अपनी मृतका पत्नी मलकीयत कौर के नाम ट्रांसफर करने की कोशिश की।

शिकायतकर्ता ने जब पंचायत समिति अनूपगढ़ में जांच की तो पता चला कि 19 मार्च 1991 को कोई पट्टा जारी नहीं हुआ और इसका कोई सरकारी रिकॉर्ड मौजूद नहीं है। शिकायत में तेजासिंह के साथ सुखदेव कौर पत्नी टहलसिंह, शमशेर सिंह पुत्र रणजीतसिंह और पालसिंह पुत्र मेजरसिंह को आरोपी बनाया गया है। आरोप है कि इन सभी ने मिलकर फर्जीवाड़े की साजिश रची। सुखदेव कौर के साथ मिलकर मृतक भागसिंह के नाम पर पट्टा बनाया गया ताकि गैरकानूनी काम को छिपाया जा सके। फिलहाल कोर्ट के आदेश पर रामसिंहपुर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच एएसआई जयपाल कर रहे हैं।

स्वच्छता अभियान चलाया

करौली, (निसं)। चैनपुर कस्बे में सरपंच सहित ग्रामीणों ने स्वच्छता अभियान चलाकर साफ -सफाई करते हुए स्वच्छता का संदेश दिया। चैनपुर ग्राम पंचायत सरपंच प्रतिनिधि समय सिह मीना, चौथी लाल मीना, ऋषिकेश मीना, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि शिवदयाल कोली, अध्यापक रमेश सोनी, आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमणस्वरूप लवानिया आदि ग्रामीणों की देखरेख में चैनपुर कस्बे में स्वच्छता अभियान चला कर साफ-सफ़ाई कराई जा रही है। सरपंच प्रतिनिधि समय सिंह मीना ने बताया कि पूरे कस्बे को त्योहार के अवसर पर साफ कराया जा रहा है।

दिवाली सीजन में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का विरोध

- दुकानदारों ने निगम कार्यालय के बाहर सड़क पर जाम लगाया

अलवर, (निसं)। अलवर नगर निगम की ओर से दिवाली सीजन में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के खिलाफ शुक्रवार को स्थानीय फुटकर दुकानदारों ने विरोध प्रदर्शन किया। पिछले दो दिनों से बाजारों में हो रही कार्रवाई से नाराज दुकानदारों ने निगम कार्यालय के बाहर सड़क जाम कर दिया और पुराने बाजार में दुकानें लगाने की मांग उठाई।

दुकानदारों का कहना है कि हर साल दिवाली पर बाजारों में दुकानें लगती हैं, जो उनकी आय का जरिया है, लेकिन इस बार निगम की ओर से उन्हें कंपनी बाग में दुकानें लगाने को कहा जा रहा है, जहां ग्राहकों की आवाजाही बहुत कम होती है। ऐसे में उनकी कमाई पर सीधा असर पड़ेगा। दुकानदारों ने कहा कि अगर पुराने बाजारों में दुकानें लगाने की अनुमति नहीं दी गई तो उनका दिवाली का कारोबार पूरी तरह चौपट हो जाएगा।

नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि त्योहारी सीजन में बाजारों में भारी भीड़ रहती है। फुटपाथ और दुकानों के बाहर हो रहे अतिक्रमण के कारण जाम की स्थिति बन जाती है। ऐसे में अतिक्रमण हटाना जरूरी है ताकि बाजार में पैदल यात्रियों और वाहनों की आवाजाही सुचारू रहे। निगम प्रशासन का कहना है कि व्यापारियों को वैकल्पिक स्थान दिया गया है, ताकि त्योहारों में भीड़ प्रबंधन में परेशानी न हो।

पुलिसकर्मी ने आत्महत्या की

करौली, (निसं.)। पुलिस लाइन में तैनात पुलिसकर्मी जितेंद्र (32) पुत्र राजेंद्र जाट निवासी खेड़ी हेत ने पुलिस लाइन में स्थित अपने आवास पर गले में फंदा लगा लिया, जिसको चिकित्सालय लाया गया, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित किया और पोस्टमार्टम के लिए शव मुर्दाघर में रखा। जिला पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल ने बताया कि यह पुलिसकर्मी पुलिस लाइन में तैनात था जो अपनी पत्नी और बच्चे के साथ पुलिस लाइन के आवासों में रहता था।

विद्युतकर्मी के झुलसने का मामला: मुआवजे व आरोपी की गिरफ्तारी की मांग

गुरूवार को बिजली फॉल्ट ठीक करने विद्युत पोल पर चढ़ा कर्मचारी करंट से झुलस गया था

- 'हादसा कैसे हुआ या किसकी लापरवाही रही, इसकी जांच करवाई जा रही है'

जोधपुर, (कासं)। शहर के बनाड़ रोड स्थित सारण नगर ओवरब्रिज के पास गुरूवार को बिजली फॉल्ट ठीक करने विद्युत पोल पर चढ़ा कर्मचारी करंट से झुलस गया था। करंट का झटका लगने के बाद नीचे जमीन पर गिरा और उसके पेट में सरिया घुस गया। इसका एक वीडियो भी वायरल हुआ था। बाद में घायल को उसके साथ कर्मचारियों ने अस्पताल में भर्ती करवाया। घायल की हालत स्थिर बनी हुई है।

इधर घटना से सुब्ध क्षेत्रवासियों और बिजली महकमे से जुड़े लोगों ने नांदड़ी जीएसएस पर धरना दिया और मुआवजे की मांग रखी। देर शाम तक अधिकारियों और धरना देने वाले लोगों के बीच समझौता और कार्रवाई को लेकर वार्ता चल रही थी। घायल के भाई रमेश प्रजापत की तरफ से जयपाल नाम के शख्स को नामजद कर बनाड़ थाने में रिपोर्ट दी गई है।

जानकारी के मुताबिक बिजली कर्मचारी गणेश प्रजापत नांदड़ी का रहने वाला है। एफआरटी टीम की ओर से ठेके पर काम करता है। पिछले करीब दस साल से बिजली का काम कर रहा है। वर्तमान में नादड़ी के एईएन ऑफिस में पोस्टेड है। वह बिजलीघर के सरकारी स्टाफ के साथ गुरूवार की शाम 11 केवी की लाइन की केबल जोड़ने गया था। फॉल्ट ठीक करने खंभे पर चढ़ा था। इससे पहले स्टाफ ने शटडाउन को लेकर पूछा था। स्टाफ के शटडाउन लेने पर हामी भरने पर खंभे चढ़ा। इस दौरान तार छूते ही करंट लगा। तारों से चिंगारी निकलते ही स्टाफ ने रस्सी फेंककर उसे खींचना चाहा। इतने में ही करीब 22 फीट ऊंचाई से नीचे जमीन पर गिरा। इस बीच जमीन पर पड़ा सरिया उसके पेट में घुस गया। उसके साथ काम करने वाला स्टाफ निजी अस्पताल लेकर गए, जहां से महात्मा गांधी हॉस्पिटल रेफर किया गया। करंट से उसके पैर और एक हाथ झुलस गया।

नांदड़ी एईएन दिनेश यादव ने बताया कि गणेश एफआरटी स्टाफ के तौर पर काम करता है। फीडर में लाइन जोड़ने के काम से गया था। हादसा कैसे हुआ या किसकी लापरवाही से रही, इसकी जांच करवाई जा रही है।

बेमौसम बारिश से फसलों को नुकसान, मुआवजे को लेकर किसानों का प्रदर्शन

- भारी नुकसान झेल रहे किसानों ने मुआवजे की मांग को लेकर मोर्चा खोला
- किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द मुआवजा नहीं मिला तो उनको आत्मदाह करने पर मजबूर होना पड़ जायेगा

बिसाऊ, (निसं)। बिसाऊ के कोदेसर गांव में बेमौसम बारिश से फसलों को भारी नुकसान हुआ है। शुक्रवार दोपहर ग्रामीणों ने कृषि पर्यवेक्षक के सामने प्रदर्शन कर जिला कलेक्टर से जल्द बीमा क्लेम और उचित मुआवजा देने की मांग की। किसानों का कहना है कि अतिवृष्टि के कारण उनकी फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं।

कृषि पर्यवेक्षक विजय सिंह सिहाग व पटवारी दीपक कुमार मीणा ने फसल खराबे का जायजा लिया।

कोदेसर गांव के किसान पूर्व लोकपाल हनुमान सिंह महला, सच्चिदानंद बेनीवाल, इद्रांज सिहाग, अनिल पूनियां, सत्यपाल बेनीवाल, जगदीश नायक, धर्मवीर नायक, भुगानी देवी और मंजू देवी, सुभिता देवी, ज्योती बेनीवाल सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि इस बार औसत से अधिक बेमौसम बारिश हुई है। खेतों में पानी भर गया, जो अब तक जमा हुआ है। इससे खड़ी और कटाई की गई दोनों तरह की फसलें खराब हो गई है। मूंग, चौला, मोठ, ग्वार और बाजरा की फसलें पूरी तरह बर्बाद हो चुकी हैं। किसानों ने आरोप लगाया कि बेमौसम बरसात ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया है। भारी नुकसान झेल रहे किसानों ने अब सरकार से मुआवजे की मांग को लेकर मोर्चा खोल दिया है। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द मुआवजा नहीं मिला तो उनको आत्मदाह करने पर मजबूर होना पड़ जायेगा।

बेनीवाल ने कहा कि किसी कारणवस कुछ किसान फसल बिमा नहीं करवा पाये, उन किसानों को आपदा प्रबंधन विभाग से मुआवजा दिलवाया जाये एवं 72 घंटों की समय अवधि बढाया जाए। अन्यथा मौका मुआयना कर उचित न्याय दिलाया जाए। इस दौरान फसल खराबे का निरीक्षण करने पहुंचे कृषि पर्यवेक्षक विजय सिंह सिहाग और राजस्व विभाग के पटवारी दीपक कुमार मीणा ने अलग-अलग खसरों में खराब हुई फसलों का अवलोकन किया। उन्होंने बताया कि फसलों को 70 से 80 प्रतिशत तक नुकसान हुआ है। इसकी रिपोर्ट बनाकर भेजी जाएगी और किसानों को उचित मुआवजा व बीमा क्लेम दिलाया जाएगा।

नशे की हालत में युवक के साथ कुकर्म किया

बीकानेर, (निसं)। खाजूवाला में एक युवक को शराब पिलाकर नशे की हालत में उसके साथ कुकर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़ित युवक ने घटना के संबंध में पुलिस को रिपोर्ट दी है।

खाजूवाला थाना पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि 25 साल का युवक 25 सितंबर से एक राजकीय छात्रावास में रंग-रोगन का काम कर रहा था। उस कार्य का ठेकेदार हनुमानगढ़ निवासी गणेशाराम भाट एक अक्टूबर को खाजूवाला आया। शाम को उसने काम का हिसाब किया और रात को शराब और मीट पार्टी की। इस दौरान उसने पीड़ित युवक को ज्यादा शराब पिला दी। नशे में होने के कारण पीड़ित युवक बाहर चारपाई पर सो गया और उसे गहरी नींद आ गई। गणेशाराम उसे नशे की हालत में कमरे के अंदर ले गया और उसके साथ कुकर्म किया। आरोपी गणेशाराम पीड़ित को बीकानेर ले गया और अपने मौसा-मौसी के घर तीन-चार दिन तक रखा। बाद में पीड़ित ने अपने परिजनों को बताया और पुलिस के पास पहुंचा। खाजूवाला थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है जिसकी जांच एएसआई श्रवण कुमार को सौंपी गई है। पुलिस ने पीड़ित का मेडिकल मुआयना कराया है। एफएसएल की टीम ने मौके पर जांच-पड़ताल की है।

प्राइवेट बस से आया 650 किलो मावा पकड़ा

मावे का सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा

अजमेर, (निसं)। दीपावली के त्योहारी सीजन के मद्देनजर बनने वाली मिठाइयों सहित अन्य सामग्रियों की शुद्धता को लेकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान चलाया गया है। अभियान के तहत सीएमएचओ के निर्देश पर टीम द्वारा अलग-अलग जगहों पर दबिश देकर कार्रवाई अंजाम दी जा रही है। शुक्रवार को भी टीम ने घूघरा घाटी स्थित एक प्राइवेट बस को चेक किया। बस के अंदर से 650 किलो मावा बरामद हुआ।

टीम ने पांच व्यापारियों के सामने अलग-अलग मावे के सैंपल लेकर लैब में जांच के लिए भेज दिए। जांच रिपोर्ट आने तक टीम ने व्यापारियों को मावा उपयोग में नहीं लेने के लिए पाबंद किया है। रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्यवाही की जाएगी। खाद्य सुरक्षा अधिकारी केसरी नंदन शर्मा ने बताया कि आगामी दीपावली पर्व के मद्देनजर राज्य सरकार की ओर से शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान चलाया है। अभियान के तहत ही शहर भर में कार्रवाई की जा रही है। अभियान की कड़ी में ही शुक्रवार को घूघरा घाटी स्थित राठौड़ ट्रेवल्स पर एक बीकानेर से बस अजमेर पहुंची थी। बस से करीब 650 किलो मावा उतरा था।

यह मावा करीब पांच फर्मों के व्यापारी का बताया गया। मौके पर पहुंचे व्यापारियों के सामने ही मावे की जांच कर सैंपल लिए गए। शर्मा ने बताया कि रिपोर्ट आने तक सभी व्यापारियों को मावा उपयोग में नहीं लेने के लिए पाबंद किया है। यह मावा बीकानेर से अजमेर मिठाइयों में उपयोग आने के लिए मंगवाया गया था।

देवाशीष पृष्टि ने किया शहरी सेवा शिविर का औचक निरीक्षण

अजमेर, (कासं)। नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव देवाशीष पृष्टि ने अजमेर विकास प्राधिकरण परिसर में राज्य सरकार द्वारा आयोजित किये जा रहें शहरी सेवा शिविर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रमुख शासन सचिव ने प्राधिकरण द्वारा शिविर के दौरान प्रदत्त की जा रही विभिन्न सेवाओं यथा-लीज-डीड, नामान्तरण, भवन निर्माण स्वीकृति, उप-विभाजन एवं संयुक्तिकरण इत्यादि में छूटों व दरों, प्रक्रिया एवं लम्बित प्रकरणों के संबंध में विस्तार से जानकारी ली।

प्रमुख शासन सचिव देवाशीष पृष्टि ने अजमेर विकास प्राधिकरण परिसर में शहरी सेवा शिविर का औचक निरीक्षण किया।

■ प्रमुख शासन सचिव ने प्राधिकरण द्वारा सम्पादित किये जा रहें विभिन्न विकास कार्यो, बजट घोषणा के कार्यो की समीक्षा की

शिविर में उपस्थित आमजन, लाभार्थियों एवं आवेदकों से संवेदनशीलतापूर्वक रूबरू होते हुए मौके पर उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये। प्राधिकरण की वित्तीय स्थिति का आंकलन करते हुए राज्यांश की समयबद्ध प्रदायगी, ई-ग्रासप्रणाली एवं लीज वसूली के संबंध में प्राधिकरण के प्रयासों की सराहना की। प्रमुख शासनसचिव ने प्राधिकरण द्वारा सम्पादित किये जा रहें विभिन्न विकास कार्यो, बजट घोषणा के कार्यो की समीक्षा करते हुए राज्य सरकार के निर्देशानुसार दीपावली पर्व से पूर्व सभी पेचवर्क, सौन्दर्यीकरण, विद्युतीकरण व साज-सज्जा के कार्य अनिवार्यत: पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया।

अन्त में शिविर के दौरान निष्पादित लीज-डीड, भवन निर्माण स्वीकृति तथा उप-विभाजन आदेशों का लाभार्थीयों को मौके पर ही वितरण कर प्राधिकरण द्वारा सम्पादित किये जाने वाले कार्यों पर संतोष व्यक्त करते हुये आमजन को अधिकाधिक राज्य सरकार द्वारा आयोजित उक्त शहरी सेवा शिविरों में प्रदत्तछूट एवं राहत प्राप्त करने की अपील की। इस अवसर पर प्राधिकरण आयुक्त, नित्या. के, एवं समस्त अधिकारीगण उपस्थित रहें।

एडीए ने आवंटित की 500 वर्ग मीटर भूमि, चौकी कार्यालय और आवास बनेंगे

अजमेर,(निसं)। वरुण सागर रोड का मार्ग चौड़ा करने और पुष्कर घाटी तक एक्टिव पुलिसिंग के लिए विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के निर्देशों का असर हो रहा है। देवनानी के निर्देश पर अजमेर विकास प्राधिकरण ने आनासागर पुलिस चौकी के लिए बीएसएनएल चौराहे पर 500 वर्ग मीटर भूमि आवंटित की है। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अजमेर विकास प्राधिकरण को निर्देश दिए थे कि आनासागर पुलिस चौकी के लिए भूमि आवंटित की जाए। इससे वर्तमान फिल्टर प्लांट स्थित पुलिस चौकी के सामने की रोड चौड़ी हो सकेगी। इन निर्देशों की पालना में अजमेर विकास प्राधिकरण ने भूमि आवंटन के आदेश जारी किए हैं। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक अजमेर द्वारा पुलिस चौकी आनासागर के कार्यालय भवन एवं आवासीय भवन के लिए भूमि का आवंटन चाहा गया। आवंटन नीति 2025 के अनुसार पुलिस चौकी के निर्माण के लिए 500 वर्ग मीटर भूमि आवंटन किए जाने का प्रावधान है।

अजमेर विकास प्राधिकरण द्वारा पुलिस चौकी आनासागर अधीन पुलिस थाना गंज के भवन निर्माण के लिए प्राधिकरण स्वामित्व की बी.के. कौल नगर योजना क्षेत्र मे पीयू के लिए आरक्षित भूमि में से 500 वर्ग मीटर भूमि का नि:शुल्क आवंटन किया गया। आवंटित भूमि 99 वर्षीय लीज के आधार पर होगी। विभाग को प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत नक्शे अनुसार अपनी आवश्यकतानुसार आवंटित भूमि पर नियमानुसार निर्माण एवं सरचनाएं विकसित करने की पूर्ण स्वतंत्रता होगी एवं उनके रखरखाव का पूर्ण दायित्व विभाग का होगा। आवंटित भूमि हेतु राज्य सरकार के नियम एवं उपनियम तथा प्राधिकरण के नियम एवं उपनियम तथा प्राधिकरण अधिनियम 2013 के

शहर के खिलाड़ियों के साथ शनिवार को बैठक

अजमेर(निसं)। सम्राट पृथ्वीराज चौहान टी-10 क्रिकेट महोत्सव का आयोजन आगामी 26 से 30 अक्टूबर तक शहर के विभिन्न क्रिकेट मैदानों पर होने जा रहा है। इस संदर्भ में तकनीकी जानकारों की एक बैठक रसोई बेनकॉट हॉल, स्वामी कॉम्प्लेक्स, पर संपत सांखला की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक में कई महत्वपूर्ण सुझाव आये जो क्रिकेट प्रतियोगिता में अमल में लाई जायेगी। महासचिव शैलेंद्र सिंह परमार ने बताया कि 11 अक्टूबर को सांय 5 बजे स्वामी कॉम्प्लेक्स पर बैठक रखी गई है, जिसमें सभी 80 वार्डों से खेलने वाले पूर्व व नवीन खिलाड़ी उपस्थित होंगे, जिन्हें प्रतियोगिता की पूर्ण जानकारी दी जायेगी। बैठक में अनुज शर्मा, प्रदीप सेन, रवि गोस्वामी, एस.के.पांडे, बालिश, कंवल प्रकाश किशनानी, विष्णु अवतार भार्गव आदि उपस्थित थे।

आम सूचना

मेरा भाई रामधन पुत्र हीरा जाति जाट निवासी ग्राम भोगादीत की मृत्यु दिनांक 24.07.1975 को मेरे निवास स्थान पर ग्राम भोगादीत में हो गई थी। जिसका पूर्व में इन्द्राज ग्राम पंचायत भोगादीत में नहीं करवाया था। अब मैं मेरे भाई रामधन का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए अराई तहसील कार्यालय में आवेदन किया है। मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने बाबत जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो 7 दिन में मय दस्तावेज के साथ अराई तहसीलदार के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी। -प्रार्थी- नारायण पुत्र हीरा जाट निवासी ग्राम भोगादीत तहसील अराई (अजमेर)

भाजपा का हर कदम जनता के विकास के लिए समर्पित : विधायक भदेल

अजमेर। अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल ने शुक्रवार को अजमेर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर 21 में बागड़ी बस्ती से अटल शर्मा के घर से होते हुए विजेंद्र के घर तक विधायक कोष से स्वीकृत 19.50 लाख रुपये की लागत से बनने वाली सीसी सड़क व नाली निर्माण कार्य का पूजा.अर्चना कर विधिवत शिलान्यास किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक भदेल ने कहा कि दक्षिण क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में विकास कार्यों का सिलसिला लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि वार्ड नंबर 21 की यह सड़क लंबे समय से क्षितग्रस्त थी,जिसके कारण स्थानीय लोगों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। बरसात के दिनों में तो स्थिति और भी विकट हो जाती थी। क्षेत्रवासियों द्वारा इस समस्या को उनके संज्ञान में चुनाव प्रचार के दौरान लाया गया था। लोगों की परेशानी को समझते हुए उन्होंने अपने विधायक कोष से 150 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की। जिससे उक्त सड़क व नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। भदेल ने कहा कि इस क्षेत्र की तीन गलियों में विधायक कोष से सीसी सड़क और नाली का निर्माण कराया जाएगा, जिससे न केवल आवागमन सुगम होगा बल्कि बरसात के समय जलभराव की समस्या से भी राहत मिलेगी। विधायक भदेल ने क्षेत्र में हुए अन्य विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि हाल ही में तीन करोड़ रुपए की लागत से उच्च जलाशय का निर्माण कराया गया है जिससे इस क्षेत्र में वर्षों से चली आ रही पेयजल समस्या का स्थायी समाधान हुआ है। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष रविन्द्र सिंह जादौन, आर्य मंडल अध्यक्ष भवानी सिंह जेदिया, किरण तुनरिया, प्रदीप तुनगरिया, घनश्याम खत्री, विनोद जी साधवानी, गोविंद राज, हेमंत सुनारीवाल, नरेश तूनगरिया, ओम बाकोलिया, ताराचंद, अशोक उदवाणी, अटल शर्मा, नाथूलाल, बाबूलाल, ललित, सांवरिया, मोहनलाल, जितेंद्र, रीना बेन, विजय, देवेश, सतीश शेरा, रजत मारू, रविकांत, सरोज भाटी, हेमलता डवरा सहित भाजपा के अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर विशेषज्ञों ने साझा किए अनुभव

अजमेर(निसं)। राजस्थान महिला कल्याण मंडल, चाचियावास एवं जवाहरलाल नेहरू अस्पताल, अजमेर के मनोचिकित्सा विभाग और नशा मुक्ति केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। अपने प्रेरक उद्बोधन में डॉ. महेंद्र जैन ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य, शारीरिक स्वास्थ्य से भी अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि स्वस्थ मन के बिना शरीर का संतुलन और कार्यक्षमता बनाए रखना कठिन है, उन्होंने मानसिक बीमारियों की प्रमुख अवस्थाओं पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी और जागरूकता को ही उपचार का पहला कदम बताया। प्रोफेसर डॉ. चरण सिंह जिलोवा ने अपने संबोधन में कहा कि अक्सर लोग मानसिक स्वास्थ्य का उपचार तब करवाते हैं जब समस्या गंभीर रूप ले चुकी होती है, जबकि प्रारंभिक पहचान और समय पर उपचार से इसे रोका जा सकता है।डॉ जिलोवा ने उन्होंने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर सात में से एक व्यक्ति मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या से जूझ रहा है, लेकिन अज्ञानता और सामाजिक कलंक के कारण लोग उपचार नहीं लेते, जिससे स्थिति और गंभीर हो जाती है। क्षमा आर. कौशिक ने सेमिनार में प्रस्तुतिकरण के माध्यम से बताया कि समाज में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर

■ डॉ जिलोवा ने उन्होंने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर सात में से एक व्यक्ति मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या से जूझ रहा है

किस प्रकार जागरूकता फैलाई जा सकती है, उन्होंने 21 प्रकार के मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता संकेत साझा किए और प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे इन संकेतों को अपने समुदाय में प्रसारित करें, ताकि समय पर पहचान और सहायता संभव हो सके। इस मौके पर राजस्थान महिला कल्याण मंडल से मॉनिटरिंग ऑफिसर विपुल कवरिया, आशा जांगिड़ एवं सुनयना, तथा नर्सिंग इंचार्ज सत्य प्रकाश और श्याम सिंह राजावत का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में लगभग 30 से अधिक रेजिडेंट डॉक्टर, स्टाफ सदस्य एवं मरीजों के परिजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विभागाध्यक्ष डॉ. महेंद्र जैन, प्रोफेसर डॉ. चरण सिंह जिलोवा एवं राजस्थान महिला कल्याण मंडल से मुख्य कार्यकारी एवं सचिव क्षमा आर. कौशिक उपस्थित रहे।

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी/अन्तरिति द्वारा निष्पादित वसीयतनामें के आधार पर नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

-आम सूचना-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की कोटड़ा योजना के आवासीय/व्यावसायिक भूखण्ड संख्या 6 क्षेत्रफल 186.53 वर्गगज के आवंटी/अन्तरिति श्रीमती सावित्री देवी (गौड़) पत्नि स्व. श्री रतनसिंह नरूका निवासी सुन्दर नगर, कोटड़ा अजमेर की मृत्यु दिनांक 31.03.2013 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र तथा वसीयतनामा (पंजीकृत/अपंजीकृत दिनांक 07.07.2025) के आधार पर मृतक के वारिसों नें क्रमश: श्रीमती नीलू परिहार पुत्री स्व. श्री रतनसिंह नरूका निवासी जयपुर एवं श्रीमती शिखा नरूका पुत्री स्व. श्री रतन सिंह नरूका निवासी अजमेर ने उपरोक्त भूखण्ड का विक्रय श्रीमती उर्वशी सक्सेना को कर दिया एवं अब श्रीमती उर्वशी सक्सेना पत्नि रोहित सक्सेना निवासी जैसलमेर हाल निवासी कोटड़ा अजमेर द्वारा नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया हे। उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावें उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं व आवेदक के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी। -योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी/अन्तरिति की मृत्यु पर उत्तराधिकारियो द्वारा निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र के आधार पर नामान्तारण हेतु आम सूचना का प्रारूप

-आम सूचना-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की अर्जुन लाल सेठी नगर योजना में आवास संख्या 286 क्षेत्रफल 40 व.मी. मूल आवंटी श्रीमती कमला देवी पत्नि स्व. श्री मूलाराम निवासी म.नं. 140 पहाड़गंज अजमेर को आवंटित किया गया था। जिनकी मृत्यु दिनांक 24.08.2021 को हो चुकी है। जिनके द्वारा अंपजीकृत वसीयतनामा दिनांक 28.12.2006 को श्री जीवराज पुत्र श्री घनश्यामदास जाटोलिया निवासी आवास संख्या 293 अर्जुन लाल सेठी नगर योजना को हक में निष्पादित किया गया है। जिनकी मृत्यु दिनांक 05.04.2018 को हो चुकी है। स्व. श्री जीवराज की मृत्यु के उपरान्त उनके जीवित वारिस क्रमशः श्री नितिन जीवराज जाटोलिया, श्री पवन जीवराज जाटोलिया एवं सुश्री ज्योति जीवराज जाटोलिया ने अपने सहहिस्सेदार श्रीमती मनीषा जीवराज जाटोलिया पत्नि स्व. श्री जीवराज जाटोलिया निवासी 286 अर्जुन लाल सेठी नगर योजना अजमेर के हक में पंजीकृत हक त्याग दिनांक 15.10.2024 के द्वारा कर दिया गया है। जिनके द्वारा नामान्तरण चाहा जा रहा है। अत: उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावें। -उपायुक्त(दक्षिण) अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी/अन्तरिति की मृत्यु पर उत्तराधिकारियों द्वारा निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र के आधार पर नामान्तरण हेतु आम सूचना

-आम सूचना-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की राजस्व ग्राम नौसर के खसरा संख्या 177/898 के नियमनशुदा आवासीय भूखण्ड क्षेत्रफल 192.19 वर्ग गज के आवंटी / अन्तरिति श्रीमती मंजुलता कटियार धर्मपत्नी श्री अरविन्द कुमार कटियार, निवासी 04, अम्बे भवन, रातिडॉग, मित्र नगर, वैशाली नगर, अजमेर की मृत्यु दिनांक 26/10/2024 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा रिपोर्ट संलग्न कर मृतक के वारिसो कमश श्री अरविन्द कुमार कटियार व श्री विकास कटियार द्वारा अपने सहहिस्सेदार श्री अरविन्द कुमार कटियार द्वारा अपने सुपुत्र श्री विकास कटियार के पक्ष मे निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र दिनांक 03/09/2025 के आधार पर नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने। उक्त निगत अवधि पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदको के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी। -योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी/अन्तरिति की मृत्यु पर उत्तराधिकारियों के पक्ष में संयुक्त नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

-आम सूचना-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की पंचशील नगर योजना के आवासीय/भूखण्ड संख्या 127 ईडब्ल्यूसी क्षेत्रफल 40 वर्गमीटर के आवंटी/अन्तरिति श्रीमती कमला बाई पत्नि स्व. रामस्वरूप त्रिवेदी निवासी 8 अलखनन्दा कॉलोनी एम.पी.एस. स्कूल के पीछे अजमेर की मृत्यु दिनांक 17/7/2015 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा रिपोर्ट संलग्न कर मृतक के वारिसों क्रमशः (1) श्रीमती विमला शर्मा (2) श्रीमती मंजू शर्मा शर्मा पुत्रियां स्व. राम स्वरूप त्रिवेदी (3) अम्बा प्रसाद शर्मा पुत्र ओंकार मल शर्मा (4) मनीष कुमार शर्मा पुत्र अम्बा प्रसाद शर्मा (5) नेहा शर्मा पुत्री अम्बा प्रसाद शर्मा (6) दीपक पुत्र राधेश्याम (7) आंचल शर्मा पुत्री दीपक निवासी मोती विहार कॉलोनी रामनगर अजमेर द्वारा नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावें उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदकों के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी। -योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी अन्तरिति की मृत्यु पर उतराधिकारियो द्वारा निष्पादित पंजीकृत (हक त्याग पत्र) के आधार पर नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

-आम सूचना-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की बोराज योजना के आवासीय खसरा न. भूखण्ड संख्या जी-834 योजना/ग्राम का नाम गणेश गुवाडी क्षेत्रफल 50 वर्गगज के आवंटी/अन्तरिति मेरे माता जी स्व श्रीमति संतोस पत्नी स्व श्री ओम प्रकाश का स्वर्गवास दिनांक 21/09/2021 को हो गया है पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा सलग्न कर मृतक के वारिसों 1. पुत्र प्रवीण पारीक 2. पुत्री प्रतिमा पारीक 3. पुत्री निधि पारीक अजमेर द्वारा अपने सहहिस्सेदार श्रीमती प्रीति पारीक पुत्री स्व श्री ओम प्रकाश पारीक पत्नी मेनपाल सिंह चौधरी -02 शैल गंगा सोसायटी, आई.पी स्कूल जनता नगर अमियापुर गाँधी नगर गुजरात आज दिवस अजमेर के पक्ष में निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र दिनाक 04/10/2025 को मेरे नाम कर दिया उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावें। उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदकों के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी। -योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक-न.नि.अ/भवन /25-26/367 दिनांक: 10/10/25

आपत्ति सूचना

श्रीमती प्रिया जसवानी पत्नी श्री प्रदीप जसवानी निवासी मकान नं. 80 आनासागर लिंक रोड अजमेर एवं श्रीमती कान्ता बाई पत्नी श्री किशनचन्द निवासी 80 आनासागर लिंक रोड, अजमेर द्वारा एक सम्पति ए.एम.सी. नं. 6/45 6/46 44 (2)/6 अंकित जो वाके शनि मन्दिर के सामने देहली गेट के अन्दर अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 144.45 व.मी. है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यवसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाऐं निम्नानुसार हैं।

पूर्व-सम्पति श्री गोपीकिशन खण्डेलवाल की पश्चिम-रास्ता आम
उत्तर - सम्पति श्री जुगल किशोर खण्डेलवाल की दक्षिण-सम्पति श्री महावीर जी की

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति / संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। -उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक-न.नि.अ/भवन /25-26/364 दिनांक: 10/10/25

आपत्ति सूचना

श्री भगवानदास पुत्र श्री नौतनदास निवासी 939/25 आशागंज राजेन्द्र स्कूल के पास अजमेर द्वारा एक सम्पति ए.एम.सी. नं. 7/152 12/155 20/83 पुराना 33/104 नया जो वाकै शेखा मौहल्ला डिग्गी बाजार अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 63.00 व.मी. है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यवसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाऐं निम्नानुसार हैं।

पूर्व- ए.एम.सी. नं. 33/110 33/11 सम्पति पश्चिम- गली रास्ता आम
उत्तर - जायदाद ए.एम.सी. नं. 33/103 दक्षिण- जायदाद ए.एम.सी. नं. 20/84 33/105 है

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति / संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। -उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक-न.नि.अ/भवन /25-26/363 दिनांक: 10/10/25

आपत्ति सूचना

श्रीमती सरला सीरनानी पत्नी स्व. श्री तेजमान सीरनानी निवासी 10/14 वैशाली नगर अजमेर एवं श्रीमती गोदावरी सीरनानी पत्नी श्री लीलो सीरनानी निवासी ए-19 सागर विहार कॉलोनी वैशाली नगर अजमेर द्वारा एक सम्पति ए.एम.सी. 111/31132 408/40 का एक भाग है जो वाके मोती कटला दरगाह बाजार अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 77.29 व.मी. है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यवसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाऐं निम्नानुसार हैं।

पूर्व- गली आम पश्चिम- रास्ता आम दरगाह बाजार
उत्तर - सम्पति सेठ अब्दुल करीम अल्लारखा दक्षिण- सम्पति सेठ अब्दुल करीम अल्लारखा

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति / संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। -उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल, अजमेर

क्रमांक: 1384 जाहिर आम सूचना दिनांक-10-10-25

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 1-ख-8 वैशाली नगर अजमेर योजना में श्री ओ.पी. टंडन पुत्र श्री दीवान चन्द टंडन को आंवटित किया गया था। श्री ओ. पी. टंडन पुत्र श्री दीवान चन्द टंडन द्वारा दिनांक 28.03.1988 को उप-पंजीयक कार्यालय द्वारा पंजीयन करवा लिया गया है। श्री ओ.पी. टंडन की मृत्यु दिनांक 08.01.2022 एवं श्रीमती गीता टंडन की मृत्यु दिनांक 07.04.2019 को हो जाने कारण उनके पुत्र श्री संजीव टंडन पुत्र स्व. श्री ओ.पी. टंडन द्वारा रजिस्टर्ड वसीयतनामा (अंतिम इच्छा पत्र) प्रस्तुत कर मृत्यु पश्चात आवास हस्तान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अब श्री संजीव टंडन पुत्र स्व. श्री ओ.पी. टंडन ने उक्त आवास से संबंधित मृत्यु हस्तान्तरण प्रपत्र प्रस्तुत कर आवास का आवंटन स्वयं के नाम हस्तांतरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। श्री संजीव टंडन पुत्र स्व. श्री ओ.पी. टंडन का नाम मण्डल रिकार्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन है। अत: उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी / आपत्ति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुंजरने पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी। -आवासीय अभियंता

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राजस्थान

क्रमांक- न.पा.बि./निर्माण स्वी./2025/3970 आम सूचना दिनांक: 07-10-25

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्नांकित मकान निर्माण हेतु निम्न भवन निर्माण पत्रावली प्राप्त हुई है,अगर किसी को आपत्ति/उज्र हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, बाद मियाद, गुजरने पर कोई उज्र/आपत्ति मान्य नहीं होगी।

भवन निर्माण

क्र. सं.	आवेदक नाम	भूखण्ड का विवरण	भूखण्ड का नाप	प्रयोजनार्थ
121	स्नेहलता झंवर पत्नि किशन गोपाल झंवर	भंवरबाड़ी बिजयनगर ब्लॉक नं. 40 भू.सं. 03, भू.सं. 03 का पश्चिमी व दक्षिणी हिस्सा	330.53 SQ.MTR	आवासीय

-अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज0

टैलीफोन नम्बर- 01462-230051 गांधी उद्यान-ब्यावर रोड़, बिजयनगर ई-मेल-npvijaynagar@gmail.com

क्रमांक- न.पा.बि./भूमि/2025/4009 आपत्ति आमंत्रित सूचना दिनांक: 07-10-25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित आवेदक ने 69-ए के तहत पालिका को आवेदन प्रस्तुत किया है, जिन पर नियमानुसार कार्यवाही की जाकर पट्टे दियें जायेंगे। अत: इन भूखण्डों के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेंजों/प्रमाण के 07 दिवस की अवधि में कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत कर देंवे। समयावधि गुजर जाने के बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क्र. सं.	मकान मालिक का नाम	मौहल्ले का नाम	क्षेत्रफल
15	सृजन शर्मा पुत्र रामकिशन शर्मा	आबादी क्षेत्र गुर्जर मौहल्ला बिजयनगर आबादी प्लाट नं.	206.17 वर्गमीटर

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक-न.नि.अ/भवन /25-26/362 दिनांक: 10/10/25

आपत्ति सूचना

श्री गजेन्द्र साहू पुत्र श्री मिट्ठूलाल साहू निवासी म.नं. 3/33 लाखन कोटड़ी ममैया का चौक अजमेर द्वारा एक सम्पति ए.एम.सी. नं. 586/42 नया 33/3 पुराना का दक्षिणी भाग जो वाकै धावा भवन ममैया का चौक लाखन कोटड़ी अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 132.83 व.मी. है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यवसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाऐं निम्नानुसार हैं।

पूर्व- रास्ता आम 12 फुट चौड़ा पश्चिम- सम्पति लोढ़ा बिल्डिंग व धर्मेन्द्र की सम्पति
उत्तर - सम्पति का उत्तरी भाग दक्षिण- ए.एम.सी. नं. 32/3 लोढ़ा बिल्डिंग

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति / संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। -उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक-न.नि.अ/भवन /25-26/361 दिनांक: 10/10/25

आपत्ति सूचना

श्री देवेन्द्र साहू पुत्र श्री मिट्ठूलाल साहू निवासी म.नं. 111/22 लाखन कोटड़ी ममैया का चौक अजमेर द्वारा एक सम्पति ए.एम.सी. नं. 586/42 नया 33/3 पुराना व उत्तरी भाग जो वाकै धावा भवन ममैया का चौक लाखन कोटड़ी अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 151.62 व.मी. है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यवसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाऐं निम्नानुसार हैं।

पूर्व- रास्ता आम 12 फुट चौड़ा पश्चिम- सम्पति धर्मेन्द्र जी की
उत्तर - संजय व मनीष विजय मंजू की सम्पति दक्षिण- सम्पति का दक्षिणी भाग

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति / संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। -उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक-न.नि.अ/भवन /25-26/369 दिनांक: 10/10/25

आपत्ति सूचना

श्री चूलाराम पुत्र स्व. श्री रेवाचन्द निवासी 540/16 शिवाजी मौहल्ला नवाब का बेडा अजमेर एवं श्रीमती कान्ता पत्नी श्री शंकरदास निवासी 375/22 शिवाजी मौहल्ला नवाब रूकमणी मौहल्ला नवाब का बेडा अजमेर द्वारा एक सम्पति ए.एम.सी. नं. 8/417 16/280 जो वाकै धानका बस्ती पडाव अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 107.57 व.मी. है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यवसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाऐं निम्नानसार हैं।

पूर्व - नाला जाबाद रास्ता व दुकानात अन्य की पश्चिम- चौक
उत्तर -सम्पति जगदीश गोयल की दक्षिण -गली

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। -उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक-न.नि.अ/भवन /25-26/368 दिनांक: 10/10/25

आपत्ति सूचना

श्रीमती नेहा बचानी पत्नी श्री गुलाब बचानी निवासी 297 यू.आई.टी. कॉलोनी अजय नगर व श्रीमती रेखा पत्नी श्री हरीश कुमार निवासी 229-ए यू.आई.टी. कॉलोनी अजय नगर अजमेर हाल निवासी 1. संस्कार कॉलोनी अजय नगर अजमेर द्वारा एक सम्पति ए.एम.सी. नं. 480/30 पुराना 54-ए/22 का एक भाग जो वाकै रावण की बगीची उसरी गेट के पास अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 214.01 व.मी. है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान के अनुसार व्यवसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएं निम्नानुसार है।

पूर्व- सम्पति श्रीमती विमला देवी की पश्चिम- आम रास्ता
उत्तर- सम्पति श्रीमती विमला देवी की दक्षिण- सडक आम रास्ता उसरी गेट का

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। -उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक-न.नि.अ/भवन /25-26/360 दिनांक: 10/10/25

आपत्ति सूचना

श्रीमती सैयदा महफूजा चिश्ती पत्नी श्री सैयद मुसबिर चिश्ती श्री सैयद मुसबिर चिश्ती पुत्र श्री सैयद मोहम्मद कुद्दूस चिश्ती निवासीगण बाबा हाउस त्रिपोलिया गेट दरगाह शरीफ अजमेर द्वारा एक सम्पति ए.एम.सी. नं. 458/3 353/4 स्थित लाखन कोटड़ी अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 63.21 व.मी. है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यवसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाऐं निम्नानुसार हैं।

पूर्व- रास्ता आम गली पश्चिम- श्रीमती कमला की जायदाद
उत्तर - पारस लालवानी की जायदाद दक्षिण- रास्ता आम गली है

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति / संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। -उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक-न.नि.अ/भवन /25-26/366 दिनांक: 10/10/25

आपत्ति सूचना

सैयद अमीन अहमद चिश्ती पुत्र श्री हाजी सैयद नसीर अहमद चिश्ती निवासी 536/34 अमीन मेंशन चौधर मौहल्ला नला बाजार अजमेर द्वारा एक सम्पति ए.एम.सी. नं. 531/34 532/34 533/34 पुराना 6/435 561/20 नया स्थित है जो वाकै मालवा गली चौधर मौहल्ला नला बाजार अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 105.19 व.मी. है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यवसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाऐं निम्नानुसार हैं।

पूर्व- गली आम व श्री रमेश जी की सम्पति पश्चिम- सम्पति दरगाह गेस्ट हाउस की
उत्तर - श्री जहूर चिश्ती का मकान व गली दक्षिण- दरगाह गेस्ट हाउस रोड

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति / संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। -उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक-न.नि.अ/भवन /25-26/365 दिनांक: 10/10/25

आपत्ति सूचना

श्रीमती लखमा देवी पत्नी श्री भगवानदास पुत्री श्री राजू मोटवानी निवासी 939/25 राजेन्द्र स्कूल के पास अजमेर एवं श्री दीपक पारवानी श्री राजकुमार पारवानी पुत्रगण श्री भगवानदास पारवानी निवासीगण 16 नेहरू नगर अजय नगर अजमेर द्वारा एक सम्पति ए.एम.सी. नं. 20/424 423/20 33/111 व 422/20 33/10 अंकित है जो वाकै डिग्गी बाजार अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 47.99 व.मी. है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यवसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाऐं निम्नानुसार हैं।

पूर्व- रास्ता आम डिग्गी बाजार मुख्य सड़क पश्चिम- प्राइवेट मकानात
उत्तर - शामलाती नाल व जायदाद वेदप्रकाश गोयल की दक्षिण- ए.एम.सी. नं. 20/420

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति / संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। -उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राजस्थान

क्रमांक- न.पा.बि./निर्माण स्वी./2025/3897 आम सूचना दिनांक: 07-10-25

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्नांकित मकान निर्माण हेतु निम्न भवन निर्माण पत्रावली प्राप्त हुई है,अगर किसी को आपत्ति/उज्र हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, बाद मियाद, गुजरने पर कोई उज्र/आपत्ति मान्य नहीं होगी।

भवन निर्माण

क्र. सं.	आवेदक नाम	भूखण्ड का विवरण	भूखण्ड का नाप	प्रयोजनार्थ
119	विकास शर्मा पुत्र घनश्याम शर्मा	श्याम नगर बरल द्वितीय बिजयनगर ख.सं. 811 भू.सं. 01	263.13 SQ.MTR	आवासीय
120	प्रियंका मुणोत पत्नि निहालचंद मुणोत	नवकार रेजीडेन्सी बरल द्वितीय बिजयनगर ख.सं. 1323 भू.सं. ए-22	139.35 SQ.MTR	आवासीय

-अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज0

टैलीफोन नम्बर- 01462-230051 गांधी उद्यान-ब्यावर रोड़, बिजयनगर ई-मेल-npvijaynagar@gmail.com

क्रमांक- न.पा.बि./भूमि/2025/3962 आम सूचना दिनांक: 07-10-25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित आवेदक ने कृषि भूमि पर बसी निम्न कॉलोनियों में कृषि भूमि नियमन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है, जिन पर नियमानुसार कार्यवाही की जाकर पट्टे दिये जायेगें। अत: इन भूखण्डों के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेजो/प्रमाण के 7 दिवस की अवधि में कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत कर देवें। समयावधि गुजर जाने के बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क्र. सं.	आवेदन क्रमांक	आवेदक का नाम	योजना/ग्राम का नाम	खसरा सं.	भू. सं.	क्षेत्र
1	LD/VJNR/2025-26/ 277398	माया देवी/ मुकेश सेन	शिवनगर कॉलोनी बरल द्वितीय	1018	09 का पूर्वी हिस्सा हिस्सा	55.74 वर्गमीटर

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज0

टैलीफोन नम्बर- 01462-230051 गांधी उद्यान-ब्यावर रोड़, बिजयनगर ई-मेल-npvijaynagar@gmail.com

क्रमांक- न.पा.बि./भूमि/2025/4088-91 आपत्ति आमंत्रित सूचना दिनांक: 10-10-25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित आवेदक ने 69-ए के तहत पालिका को आवेदन प्रस्तुत किया है, जिन पर नियमानुसार कार्यवाही की जाकर पट्टे दियें जायेंगे। अत: इन भूखण्डों के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेंजों/प्रमाण के 07 दिवस की अवधि में कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत कर देंवे। समयावधि गुजर जाने के बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क्र. सं.	मकान मालिक का नाम	मौहल्ले का नाम	क्षेत्रफल
1	फूलकंवर पत्नि लक्ष्मीनारायण मोदी	आबादी क्षेत्र आजाद मौहल्ला बिजयनगर आबादी प्लाट ब्लॉक नं.22	263.37 वर्गमीटर

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज0

टैलीफोन नम्बर- 01462-230051 गांधी उद्यान-ब्यावर रोड़, बिजयनगर ई-मेल-npvijaynagar@gmail.com

क्रमांक- न.पा.बि./भूमि/2025/3966 आपत्ति सूचना दिनांक: 07-10-25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पालिका/पैराफेरी क्षेत्र में निम्न आवेदक द्वारा अपने भूखण्डों/मकानों के पास स्थित अधिक/खांचा भूमि के नियमन करने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। यदि इस संबंध में किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति सूचना जारी होने की तिथि से 7 योम में नगरपालिका कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। समय उपरान्त प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

क्र. सं.	नाम आवेदक	क्षेत्र	क्षेत्रफल
1	भारती खूबचन्दानी पत्नी नानकराम खूबचन्दानी	पोखरणा कॉलोनी बिजयनगर में खसरा नंबर 108/610 भूखण्ड संख्या 05 के पश्चिम दिशा में स्थित खांचा भूमि	23.23 वर्गमीटर

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज0

टैलीफोन नम्बर- 01462-230051 गांधी उद्यान-ब्यावर रोड़, बिजयनगर ई-मेल-npvijaynagar@gmail.com

क्रमांक- न.पा.बि./भूमि/2025/3997 आम सूचना दिनांक: 07-10-25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित आवेदक ने कृषि भूमि पर बसी निम्न कॉलोनियों में कृषि भूमि नियमन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है, जिन पर नियमानुसार कार्यवाही की जाकर पट्टे दिये जायेगें। अत: इन भूखण्डों के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेजो/प्रमाण के 7 दिवस की अवधि में कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत कर देवें। समयावधि गुजर जाने के बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क्र. सं.	आवेदन क्रमांक	आवेदक का नाम	योजना/ग्राम का नाम	खसरा सं.	भू. सं.	क्षेत्र
1	LD/VJNR/2025-26/ 276027	संजू शर्मा/ सुरेश कुमार शर्मा	शिवनगर कॉलोनी बरल द्वितीय	1018	08 का पश्चिमी दिशा का हिस्सा	55.74 वर्गमीटर

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज0

क्रमांक- न.पा.बि./नामा/2025/4073 आम सूचना दिनांक: 10-10-25

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्नांकित मकान व प्लाट गृहकर पंजिका में अन्तरण हेतु निम्न विरासत पत्रावली प्राप्त हुई है। अगर किसी को आपत्ति/उज्र हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, बाद मियाद गुजरने पर कोई उज/आपत्ति मान्य नहीं होगी।

नामान्तरण

फाईल नं.	आवेदक नाम	मूल आंवटी/ नामान्तरण	भूखण्ड का विवरण	भूखण्ड का नाप	प्रयोजनार्थ
221	कमलादेवी पत्नि व भंवरलाल व सांवरलाल मुकेश कुमार पुत्रगण कल्याणमल जांगिड	मोहनलाल पुत्र मंगनीराम जांगिड़	गुर्जर मौहल्ला जामोला गली बस स्टैंड के पीछे बिजयनगर ब्लॉक नं. 24 (क) भू.सं. 04 का हिस्सा	140.25 SQ.Yard	आवासीय

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज0

क्रमांक- न.पा.बि./नामा/2025/3982 आम सूचना दिनांक: 7-10-25

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्नांकित मकान व प्लाट गृहकर पंजिका में अन्तरण हेतु निम्न विरासत पत्रावली प्राप्त हुई है। अगर किसी को आपति/उज्ज हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, बाद मियाद गुजरने पर कोई उज/आपत्ति मान्य नहीं होगी।

नामान्तरण

फाईल नं.	आवेदक नाम	मूल आंवटी/नामान्तरण	भूखण्ड का विवरण	भूखण्ड का नाप	प्रयोजनार्थ
234	उमराव कंवर पत्नि पुखराज तेली	मोहनलाल मेघवंशी पुत्र गोपाल मेघवंशी	रामनगर पटेल कॉलोनी बिजयनगर ख.सं. 392-397 भू.सं. 25	111.11 SQ.Yard	आवासीय

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज0

टैलीफोन नम्बर- 01462-230051 गांधी उद्यान-ब्यावर रोड़, बिजयनगर ई-मेल-npvijaynagar@gmail.com

क्रमांक- न.पा.बि./भूमि/2025/4005 आम सूचना दिनांक: 07-10-25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित आवेदक ने कृषि भूमि पर बसी निम्न कॉलोनियों में कृषि भूमि नियमन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है, जिन पर नियमानुसार कार्यवाही की जाकर पट्टे दिये जायेगें। अत: इन भूखण्डों के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेजो/प्रमाण के 7 दिवस की अवधि में कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत कर देवें। समयावधि गुजर जाने के बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क्र. सं.	आवेदन क्रमांक	आवेदक का नाम	योजना/ग्राम का नाम	खसरा सं.	भू. सं.	क्षेत्र
1	LD/VJNR/2025-26/ 276008	हेमा देवी/ धर्मीचन्द सेन	शिवनगर कॉलोनी बरल द्वितीय	1018	08 का पूर्वी दिशा का हिस्सा	55.74 वर्गमीटर

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

प्राधिकृत अधिकारी कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक- नियमन/2024-25/734 लोक सूचना दिनांक: 13-01-25

निम्नांकित खातेदारों ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारो के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है अर्थात

क्र. सं.	आवेदक का नाम	ग्राम	खसरा नं.	क्षेत्रफल हैक्टेयर में
1	1. इमरान खान पुत्र इंसाफ अली हिस्सा 1/6 जाति मुसलमान सा. छावनी गली गोदाम गली ब्यावर खातेदार 2. इरफान खान पुत्र इंसाफ अली हिस्सा 1/6 जाति मुसलमान सा. छावनी गली गोदाम गली ब्यावर खातेदार 3. इंसाफ अली पुत्र मनोवर खान हिस्सा 1/6 जाति मुसलमान सा. छावनी गली गोदाम गली ब्यावर खातेदार 4. मोहसिन खान पुत्र इंसाफ अली हिस्सा 1/6 जाति मुसलमान सा. छावनी गली गोदाम गली ब्यावर खातेदार 5. शेख इलाहीबख्श पुत्र शेख गफूर बख्श हिस्सा 1/3 जाति मुसलमान सा.छावनी गली गोदाम गली ब्यावर खातेदार	नून्द्री मेन्द्रतान	340	0.7487

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90 (क) और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 07 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष के समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा किकिसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 13/01/2025 को जारी की गई। -प्राधिकारी अधिकारी, नगर परिषद ब्यावर

हमने अच्छा खेला और उन्होंने भी। बेशक, अगर हम जीत जाते तो बहुत अच्छा लगता, लेकिन हमने अपना पूरा ज़ोर लगाया। कोई बात नहीं – हम अगले मैच में और मजबूती से वापसी करेंगे। – **ऋचा घोष**

भारतीय क्रिकेटर, दक्षिण अफ्रीका की जीत को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

श्रेयस अय्यर

उद्यमी पृथ्वीराज शेट्टी द्वारा स्थापित तेजी से बढ़ते फेथ-टेक प्लेटफ़ॉर्म भगवद गीता फॉर ऑल ने भारतीय क्रिकेटर श्रेयस अय्यर के साथ सहयोग की घोषणा की है – जो एकाग्रता, प्रेरणा और दबाव के क्षणों में भी शांत रहने के प्रतीक हैं। यह पहल इस बात पर जोर देती है कि प्राचीन भारतीय ज्ञान को अब प्रदर्शन, संतुलन और निर्णय लेने जैसे क्षेत्रों में आधुनिक उपकरण के रूप में पुनर्परिभाषित किया जा रहा है। वैश्विक वेलनेस इकोनॉमी 2024 तक लगभग 6.8 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, और बीजीएफए स्वयं को परंपरा और परफॉर्मेंस साइकोलॉजी के संगम पर स्थापित कर रहा है।

क्या आप जानते हैं ?... भारत और वेस्टइंडीज के बीच अभी तक 139 वनडे मैच खेले गए हैं। इनमें से टीम इंडिया ने 70 वनडे जीते हैं जबकि विंडीज ने 63 मैचों में बाजी मारी है।

सिरोही जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष की याचिका पर रोक

जालोर, 10 अक्टूबर। राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर के 9 अक्टूबर के फैसले से सिरोही जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष और उनके पदाधिकारियों को बडी राहत मिली है। अदालत ने प्रतिवादियों द्वारा जारी 8 सितंबर के आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें एक तदर्थ समिति का गठन करके संघ के चुनाव कराने का निर्देश दिया गया था। सिरोही जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह चौहान ने अपनी याचिका में आरोप लगाया था कि उनके चार साल के कार्यकाल, जो 4 मार्च 2024 से शुरू हुआ था, की समयपूर्व समाप्ति अवैध है। अध्यक्ष का दावा है कि उनका कार्यकाल अभी समाप्त नहीं हुआ है और उन्हें अपने पद पर बने रहने का पूरा अधिकार है। माननीय न्यायालय ने अध्यक्ष सिरोही जिला ओलम्पिक संघ की याचिका पर सुनवाई करते हुए पाया कि उनका कार्यकाल अभी समाप्त नहीं हुआ है। अदालत ने प्रतिवादियों को नोटिस जारी कर अगली सुनवाई तक उक्त आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी है। यह फैसला सिरोही जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष और उनके पदाधिकारियों के लिए बडी राहत लेकर आया है। अब यह मामला आगे की सुनवाई के लिए अदालत में लंबित है। सिरोही जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष और उनके पदाधिकारी अपने पद पर बने रहेंगे और संघ के कार्यों को सुचारु रूप से चलाते रहेंगे। जितेंद्र सिंह चौहान अध्यक्ष सिरोही जिलाओलम्पिक संघ की ओर से रीट पिटीशन माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर में दायर की गई। 9 अक्टूबर को डॉ जस्टिस नूपुर भाटी की। कोर्ट में याचिका पर सुनवाई हुई।

हिमांशु सैनी, राहुल के शतक

जयपुर, 10 अक्टूबर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआईकी आगामी राष्ट्रिय अंडर 16 ट्रॉफी के संभावितों के चयन हेतु आरसीए द्वारा आयोजित की जा रही राज्य स्तरीय अंडर 16 ट्रॉफी के आज जयपुर में खेले गए मैचों का परिणाम :- अंडर 16 टॉफी (आज खेल गए मैचों जयपुर, चूरू, टोंक, बीकानेर, धौलपुर, अजमेर ,झुंझनू, श्रीगंगानगर, भरतपुर, जालोर, डूंगरपुर, उदयपुर, कोटा, झालावाड़, नागौर, सीकर जीती हिमांशु सैनी, राहुल के शतक, अतुल शर्मा, केविन, रयान, बृजेश, आयुष, आदित्य राज, इशांत शर्मा, पुलकित, आशीष राघव, सरूप, आयुष राजपुरोहित ,शौर्य मेहरा, प्रयाग, पारस, बिजेंद्र, दर्शन, आदि।

यशस्वी के नाबाद 173, भारत बड़े स्कोर की ओर

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। यशस्वी जायसवाल (नाबाद 173) की शतकीय और साई सुदर्शन (87) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर भारत ने शुक्रवार को वेस्ट इंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन स्टंप्स के समय दो विकेट पर 318 रन बनाकर बड़े स्कोर की ओर कदम बढ़ा दिया है। चायकाल के बाद वेस्टइंडीज को दूसरी सफलता जोमेल वॉरिकन ने ही दिलाई। 69वें ओवर की तीसरी गेंद पर वारिकन ने शतक की ओर बढ़ रहे साई सुदर्शन का शिकार कर लिया। साई सुदर्शन ने 165 गेंदों में 12 चौके लगाते हुए 87 रनों की पारी खेली। उन्हें वारिकन ने पगबाधा आउट किया।

इससे पहले आज यहां अरुण जेटली स्टेडियम में भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारत के लिए सलामी बल्लेबाज केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल की जोड़ी ने सधी हुई शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिए 58 रन जोड़े। 18वें ओवर की तीसरी गेंद पर स्पिनर जोमेल वारिकन ने केएल राहुल को छकाया और विकेटकीपर टेविन इमालक ने फुर्ती से स्टंप उड़ा कर वेस्टइंडीज को पहली सफलता दिलाई। केएल राहुल ने 54 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए 38 रनों की पारी खेली। भोजनकाल तक भारत ने एक विकेट पर 94 रन बनाये थे।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आये साई सुदर्शन ने यशस्वी के साथ शानदार बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए तेजी के साथ रन बटोरे। भोजनकाल के बाद यशस्वी जायसवाल ने अपना सातवां टेस्ट शतक और साई सुदर्शन ने अपना अर्धशतक पूरा किया। चायकाल तक दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 162 रनों की साझेदारी हो चुकी है और भारत ने एक विकेट पर 220 रन बनाये थे।

भारत ने दिन का खेल समाप्त होने के समय 90 ओवर में दो विकेट 318 रन बनाकर बड़े स्कोर की ओर कदम बढ़ा दिया है। यशस्वी जयसवाल (नाबाद 173) और कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 20) क्रीज पर मौजूद थे। यशस्वी ने अपनी नाबाद पारी में 253 गेंदों में 22 चौके लगाए हैं। वेस्टइंडीज की ओर से एकमात्र सफल गेंदबाज जोमेल वारिकन ने दो विकेट लिये।

केएल राहुल ने वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप में पूरे किए 2000 रन, बने सातवें भारतीय खिलाड़ी

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने शुक्रवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले के दौरान एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वह वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में 2000 हजार रन पूरे करने वाले 28वें बल्लेबाज बन गए हैं। केएल राहुल दिल्ली में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट चैंपियनशिप में 2000 रन बनाने वाले सातवें भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले विराट कोहली, रोहित शर्मा और ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ी दो हजार रन पूरा कर चुके हैं। राहुल ने पहली पारी में 38 रन बनाए। उन्होंने वारिकन की गेंद पर स्टंप आउट होने से पहले पिछले ओवर में स्पिनर खैरी पियरे को डीप मिडविकेट पर छक्का लगाया था। वह वारिकन की गेंद की लेंथ का सही अनुमान नहीं लगा पाए और विकेटकीपर टेविन इमलाच ने उन्हें स्टंप आउट करने में कोई गलती नहीं की। बल्लेबाजी के लिए अनुकूल दिख रही पिच पर शानदार फॉर्म में चल रहे राहुल से बड़ी पारी की उम्मीद थी।

जसप्रीत बुमराह ने रचा इतिहास, ऐसा करने वाले भारत के पहले तेज गेंदबाज बने

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। जसप्रीत बुमराह भारत के पहले तेज गेंदबाज बन गए हैं, जिन्होंने भारत के लिए क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में कम से कम 50-50 मैच खेले हैं। भारत बनाम वेस्टइंडीज दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जा रहा दूसरा टेस्ट बुमराह का 50वां टेस्ट है। इस कड़ी में बुमराह एमएस धोनी, विराट कोहली के खास क्लब में शामिल हो गए हैं।दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा है। ये जसप्रीतबुमराह का टेस्ट करियर का 50वां मैच है। इससे पहले खेले 49 टेस्ट मैचों में उन्होंने 222 विकेट अपने नाम किए हैं। टेस्ट में वह 15 बार फाइव विकेट हॉल कर चुके हैं। 31 वर्षीय बुमराह ने 2016 में वनडे में डेब्यू किया था उसी समय उन्हें टी20में भी डेब्यू का मौका मिला था। इसके 2 साल बाद उन्होंने अपना पहला टेस्ट मैच खेला। जस्सी ने 50 टेस्ट मैच खेले हैं। इसके अलावा उन्होंने 89 वनडे और 75 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं। 89 वनडे में उन्होंने 149 विकेट अपने नाम किए हैं 75 टी20 में उनके नाम 96 विकेट हैं। वनडे में वह 5 बार फाइव विकेट हॉल कर चुके हैं।

देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 10 अक्टूबर। अंडर-13 पिंकसिटी कप में देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 191 रन 7 विकेट के नुकसान पर बनाएं। कुश ने 109 और कौशलेंद्र ने 33 रनो का योगदान दिया। यति क्रिकेट अकादमी की ओर से मान गौतम और रौनक ने दो-दो विकेट लिए।

आईपीएल 2026 की नीलामी 15 दिसंबर के आसपास होने की संभावना, रिटेंशन की अंतिम तिथि 15 नवंबर

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। आईपीएल 2026 की नीलामी दिसंबर के दूसरे या तीसरे सप्ताह में होने की संभावना है, और 13-15 दिसंबर संभावित समय के रूप में उभर रहे हैं। फ्रेंचाइजी अधिकारियों, जिन्होंने बीसीसीआई अधिकारियों से बात की है, ने क्रिकबज़ को बताया है कि चर्चा इन्हीं तारीखों पर केंद्रित है, हालांकि लीग की गवर्निंग काउंसिल ने अभी तक कार्यक्रम तय नहीं किया है।

इसके अलावा, इस समय इस बात का कोई संकेत नहीं है कि नीलामी विदेश में आयोजित की जाएगी, जैसा कि पिछले दो संस्करणों में हुआ था – पहले दुबई (2023) और फिर सऊदी अरब के जेद्दा (2024) में। फ्रेंचाइजी सूत्रों का कहना है कि अगर बीसीसीआई भारत में ही मिनी-नीलामी आयोजित करने का फैसला करता है, तो इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी। हालांकि, यह फैसला अभी तक पक्का नहीं हुआ है।

हालांकि, यह निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि रिटेंशन की समय सीमा 15 नवंबर है। तब तक, फ्रेंचाइजी को उन खिलाड़ियों के नाम जमा करने होंगे जिन्हें वे नीलामी से पहले रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, बड़े पैमाने पर बदलाव के कोई संकेत नहीं हैं, सिवाय शायद चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के, जो पिछले सीजन में सबसे निचले पायदान पर रहे थे। रिलीज सूची में कथित तौर पर शामिल खिलाड़ियों में दीपक हुड्डा, विजय शंकर, राहुल त्रिपाठी, सैम करेन और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के डेवोन कॉनवे भी शामिल हैं। आर अश्विन के आईपीएल से संन्यास लेने के बाद, पांच बार की चैंपियन टीम के पास पहले ही 9.75 करोड़ रुपये जुड़ चुके हैं।

रॉयल्स की सूची में सबसे ऊपर संजू सैमसन होंगे, जब तक कि फ्रेंचाइजी कप्तान के लिए कोई ट्रेड नहीं कर लेती। रॉयल्स द्वारा अपने दो श्रीलंकाई स्पिनरों – वानिंदु हसरंगा और महेश दीक्षाना – को रिलीज करने की योजना की भी चर्चा थी, लेकिन कुमार संगकारा के मुख्य कोच के रूप में वापसी के साथ, यह सोच बदल सकती है।

टी नटराजन, मिशेल स्टार्क, आकाशदीप, मयंक यादव और डेविड मिलर जैसे खिलाड़ियों को नई फ्रेंचाइजी की तलाश करनी पड़ सकती है, हालांकि अभी तक इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई है – ठीक वैसे ही जैसे पिछली नीलामी में तीसरे सबसे महंगे खिलाड़ी वेंकटेश अय्यर के मामले में हुआ था, जिन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स ने 23.75 करोड़ रुपये में खरीदा था।

फ्रेंचाइजी के बीच चल रही चर्चा के अनुसार, कैमरून ग्रीन के नीलामी में सबसे चर्चित नामों में से एक होने की उम्मीद है। चोट के कारण पिछली नीलामी से चूकने वाले इस ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ने पहले ही कई टीमों का ध्यान आकर्षित कर लिया है।

एसीसी ऑफिस में बंद है एशिया कप 2025 की ट्रॉफी : मोहसिन नकवी

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। एशिया कप ट्रॉफी को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब कहा जा रहा है कि एशिया कप ट्रॉफीको एशियाई क्रिकेट परिषद के दुबई स्थित मुख्यालय में बंद कर दिया गया है। एसीसी प्रमुख मोहसिन नकवी ने निर्देश दिया है कि उनकी मंजूरी के बिना इसे स्थानंतरित या भारत को नहीं सौंपा जाना चाहिए।बता दें कि, भारतीय टीम ने एशिया कप जीतने के बाद नकवी के हाथों ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। इसके बाद नकवी इसे अपने साथ ले गए थे और तभी से ये ट्रॉफी एसीसी कार्यालय में है। भारत ने 28 सितंबर को दुबई में एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराया था।

मोहसिन नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष और अपने देश के गृह मंत्री भी हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। आज की स्थिति में ट्रॉफी दुबई में एसीसी कार्यालय में है और नकवी ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि उनकी मंजूरी और व्यक्तिगत उपस्थिति के बिना इसे किसी को नहीं सौंपा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि, नकवी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि केवल वही व्यक्तिगत रूप से ट्रॉफी भारतीय टीम या बीसीसीआई को सौंपेंगे। एशिया कप भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के साए में खेला गया। भारतीय खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाए। इसके अलावा नकवी ने भी सोशल मीडिया पर राजनीतिक बयान दिए।

राजधानी

‘वोकल फॉर लोकल’ बने देश का संकल्प : अरुण चतुर्वेदी

‘‘हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी’’ अभियान से बढ़ी स्थानीय उत्पादों की मांग

जयपुर। दीपावली के शुभ अवसर पर आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी जयपुर शहर कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी ने वोकल फॉर लोकल को देश का संकल्प बताते हुए स्वदेशी उत्पादों के उपयोग पर बल दिया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी अपनाने से न केवल स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का सपना भी साकार होगा।अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि कोरोना काल में भारत ने तीन स्वदेशी वैक्सीन बनाकर 130 करोड़ लोगों को समय पर टीका लगाकर आत्मनिर्भरता का परिचय दिया। उन्होंने बताया कि वह समय था जब भारत -95 मास्क तक नहीं बनाता था, लेकिन आज भारत उन्हें निर्यात कर रहा है।

- **दीपावली पर स्वदेशी को अपनाने का संदेश, आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ा कदम**

राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान को लेकर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए।

उन्होंने ‘ऑपरेशन सिंदूर’ का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत ने देश में बने मिसाइल और ड्रोन का सफल उपयोग कर पूरी दुनिया को अपनी रक्षा क्षमताओं से अवगत कराया है।प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अमेरिका के टैरिफ का जवाब स्लैब में कटौती से देने को एक कुशल रणनीति बताते हुए चतुर्वेदी ने कहा कि इससे उद्योगों को मजबूती मिली और देशवासियों को दोहरी दिवाली मनाने का अवसर मिला।इस अभियान के तहत 25 दिसंबर तक राज्यभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।भाजपा जयपुर शहर अध्यक्ष अमित गोयल ने कहा कि वोकल फॉर लोकल केवल एक नारा नहीं, बल्कि युवाओं के लिए आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ने का मार्ग है। उन्होंने कहा कि युवा अब ''मेड इन इंडिया'' और ''मेक फॉर वर्ल्ड'' के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं।उन्होंने अपील की कि दिवाली की सजावट से लेकर मिठाइयों तक सभी चीजों में मेड इन इंडिया उत्पादों को प्राथमिकता दें। कार्यक्रम में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान की संयोजक रेखा राठौड़, सह-संयोजक संजय जायसवाल एवं महेंद्र यादव भी उपस्थित रहे।

अरुण चतुर्वेदी दुबई प्रवास पर

जयपुर । राजस्थान वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी आज से तीन दिवसीय दौरे पर दुबई जाएंगे। वे इस अवसर पर दुबई में प्रवासी राजस्थानियों से मुलाकात कर राजस्थान में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे। राजस्थान बिजनेश एंड प्रोफेशनल ग्रुप एवं राजस्थान फाउंडेशन द्वारा आयोजित दिवाली उत्सव कार्यक्रम में डॉ अरुण चतुर्वेदी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर 12अक्टूबर को दुबई इंटरनेशन समिट में शामिल होंगे। डॉ चतुर्वेदी शनिवार को प्रात: जयपुर से दुबई के लिए प्रस्थान करेंगे। इस यात्रा के लिए राजस्थान भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें बधाई दी है। चतुर्वेदी यात्रा के प्रथम दिन अल एन में राजस्थान के लोगों से संवाद करेंगें।

ई.पी.एस. पेंशन से वंचित करने पर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक सितंबर, 2014 के बाद रिटायर हुए कर्मचारी भविष्य निधि के सदस्यों को ईपीएस पेंशन योजना से वंचित करने पर आरएसआरटीसी के एमडी, भविष्य निधि संगठन के क्षेत्रीय आयुक्त व पेंशन विभाग के निदेशक से जवाब देने के लिए कहा है। जस्टिस अशोक कुमार जैन ने यह आदेश रामेश्वर प्रसाद व अन्य की याचिका पर दिए।

मामले से जुड़े अधिवक्ता सुनील कुमार सिंगोदिया ने अदालत को बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने 4 नवंबर 2022 को एसएलपी को तय कर ट्रस्टों के कर्मचारियों, राज्य कर्मचारियों तथा निगम के कर्मचारियों को वास्तविक उच्च वेतन पर पेंशन के लिए संयुक्त विकल्प पत्र पेश करने की सीमा बढ़ाए जाने का निर्देश दिया था। इसके अलावा सुनील कुमार बी. कि याचिका में निर्देश दिए जा चुके हैं कि कर्मचारी प्रोविडेंट फण्ड अधिनियम 1995 में संशोधन के लिए जारी परिपत्र, जिसमें पेंशन फंड का प्रावधान करना वैध है। वहीं 22 अगस्त 2024 की अधिसूचना ऐसे कर्मचारियों पर भी लागू होती है जो एक सितंबर 2014 के बाद रिटायर हुए हैं, लेकिन उन्हें पेंशन का विकल्प नहीं दिया। ये कर्मचारी 1995 की स्कीम के पैरा 11 के तहत संयुक्त तौर पर भी विकल्प पत्र पेश करने के लिए स्वतंत्र हैं। प्रार्थियों की ओर से संयुक्त विकल्प पत्र दिया गया, लेकिन आरएसआरटीसी की ओर से प्रार्थियों को सभी दस्तावेज नहीं देने के कारण भविष्य निधि संगठन ने उनका विकल्प पत्र अस्वीकार कर दिया। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि यह सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों की अवहेलना है।

जनसंपर्क अधिकारी के खिलाफ ठगी का मामला दर्ज

- **जनसंपर्क अधिकारी प्रमोद कुमार वैष्णव के खिलाफ नोकरी लगाने के नाम पर 17 लाख रुपए की ठगी करने का मामला मानसरोवर थाने मे दर्ज किया**
- **परिवादी ने 40 लाख रुपए लौटाने को कहा तो आरोपी ने उसे सहायक जनसंपर्क अधिकारी परीक्षा में पास कराने का झांसा दिया**

जयपुर। जनसंपर्क अधिकारी प्रमोद कुमार वैष्णव के खिलाफ नोकरी लगाने के नाम पर 17 लाख रुपए की ठगी करने का मामला दर्ज किया गया है। परिवादी विकास कुमार की ओर से इस्तगासे के जरिए मानसरोवर थाने में यह रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

रिपोर्ट में कहा गया की परिवादी और बाड़मेर में पदस्थापित पीआरओ प्रमोद कुमार वैष्णव एक ही गांव के होने ले चलते परिचित हैं।

आरोपी ने ग्वार गम के शेयर में रकम दुगने करने के नाम पर 5 लाख रुपए ले लिए। जब परिवादी ने आरोपी से पैसों की स्थिति बताने की बात की तो उसने परिवादी को बताया कि आपका पैसा दो गुने के लगभग हो गया है, लेकिन आप चाहों तो सेबी की कृषि विभाग के साथ मिलकर किसानों के लिए एक वार्षिक योजना आई है, जिसमें आपको पांच छ: किश्तों में दिसम्बर 2021 तक 17 लाख रुपए देने होगें। जिसके आपको वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर चालीस लाख रुपये मिलेगें।

इस पर परिवादी ने आरोपी की बात पर विश्वास कर उसे समय समय पर लाखों रुपए दे दिए। साल 2022 में जब परिवादी ने 40 लाख रुपए लौटाने को कहा तो आरोपी ने उसे सहायक जनसंपर्क अधिकारी परीक्षा में पास कराने का झांसा दिया, लेकिन बाद में उसका इस पद पर चयन भी नहीं हुआ।

इस दौरान आरोपी का जैसलमेर तबादला हो गया। इसके बाद उसने परिवादी का फोन उठाना भी बंद कर दिया। वहीं मार्च 2024 में आरोपी ने उसे वापस जनसंपर्क अधिकारी पद पर चयनित कराने का झांसा दिया, लेकिन इसमे भी उसका चयन नहीं हुआ। जब परिवादी ने अपने 17 लाख रुपए वापस मांगे तो आरोपी ने यह राशि देने से भी इंकार कर दिया।

डिकॉय ऑपरेशन में एक लपका गिरफ्तार

जयपुर। पर्यटक थाना पुलिस ने देशी-विदेशी पर्यटकों की सुरक्षार्थ अवैध गाईड (लपकों) के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर एक लपकें को पुरानी विधानसभा के सामने ,आमेर रोड से गिरफ्तार किया है।

उपायुक्त उत्तर करण शर्मा ने बताया कि देश-विदेश से भ्रमण पर आने वाले सैलानियों की पहली पसंद जयपुर है। त्योहारों पर यहां काफी तादाद में देशी-विदेशी भ्रमण करने के लिए आते है। उन्हें अवैध गाईड परेशान करते है। त्यौहारों को देखते हुए पुलिस ने लपकों के खिलाफ डिकॉय ऑपरेशन चलाया ।

पुलिस डिकॉय ऑपरेशन के तहत अब तक 13 लपकों को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस ने डिकॉय ऑपरेशन के तहत शुक्रवार को चंचल सिंह (39) निवासी जयसिंहपुरा खोर निवासी को गिरफ्तार किया है।

फोम फैक्ट्री में लगी आग

जयपुर। झोटवाड़ा थाना इलाके में शुक्रवार सुबह इंडस्ट्रियल एरिया में फोम की फैक्ट्री में आग लगने दहशत का माहौल गया। बताया जा रहा है कि आग इतनी तेज थी कि चारों तरफ धुएं का गुबार छा गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस और दमकल की चौदह गाड़ियों से चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया गया।सहायक फायर अधिकारी भंवर सिंह ने बताया कि शुक्रवार सुबह साढ़े पांच बजे कंट्रोल रूम से झोटवाड़ा इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित एक फोम फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिली थी। जिसके बाद दमकल की गाड़ियां झोटवाड़ा, बनीपार्क, बिंदायका और मानसरोवर फायर स्टेशन से मौके पर भेजी गई। फैक्ट्री में फोम बड़ी मात्रा में होने के कारण आग बार-बार धधकती रही। जिससे उसे नियंत्रित करने में काफी कठिनाई हुई।

सिंह ने बताया कि आग की लपटें इतनी तेज थी कि आस-पास की अन्य फैक्ट्रियों और गोदामों को भी खतरा पैदा हो गया था। हालांकि समय रहते फायर ब्रिगेड की टीम ने स्थिति को काबू में कर लिया और किसी बड़े हादसे को टाल दिया। अभी तक किसी प्रकार की जनहानि की पुष्टि नहीं हुई है। फैक्ट्री मालिक आनंद के अनुसार फैक्ट्री को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचा है। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है।

एकल पट्टा प्रकरण में हाईकोर्ट ने एसीबी कोर्ट की ऑर्डर शीट मंगवाई

- **अदालत ने मामले की सुनवाई एक नवंबर को तय की है**

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पूर्व मंत्री शांति धारीवाल व रिटायर आईएएस जीएस संधू सहित अन्य अफसरों के खिलाफ चर्चित एकल पट्टा मामले की सुनवाई कर रही एसीबी कोर्ट से आर्डर शीट मंगाई है।

इसके साथ ही अदालत ने मामले की सुनवाई एक नवंबर को तय की है। एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा की विशेष एकलपीठ ने यह आदेश पूर्व मंत्री शांति धारीवाल, पूर्व आईएएस जीएस संधू, निष्काम दिवाकर और ओंकार मल सैनी की आपराधिक याचिकाओं पर संयुक्त रूप से सुनवाई करते हुए दिए।

इससे पहले हाईकोर्ट ने गत 12 मई को राज्य सरकार की रिवीजन याचिका वापस लेने वाली अर्जी मंजूर कर दी थी।

वहीं अशोक पाठक को इंटर्वीनर बनाते हुए मामले में पक्ष रखने व अदालत को सहयोग करने के लिए कहा था। राज्य सरकार ने मामले में जीएस संधू सहित तत्कालीन अधिकारियों के खिलाफ चल रहे मुकदमे को वापस लेने की अर्जी को एसीबी कोर्ट की ओर से खारिज करने के खिलाफ हाईकोर्ट में रिवीजन अर्जी दायर की थी। जिसे नए तथ्य सामने आने के आधार पर वापस लेने की अनुमति मांगी गई थी।

सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी करने वाले अशोक पाठक ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने एसएलपी पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के 17 जनवरी 2023 और 15 नवम्बर 2022 के आदेश रद्द कर दिए थे।

हाईकोर्ट ने 17 जनवरी के आदेश से तत्कालीन एसीएस जीएस संधू, डिप्टी सचिव निष्काम दिवाकर और जोन उपायुक्त ओंकारमल सैनी के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई बंद कर दी थी। जबकि नवंबर 2022 के आदेश से पूर्व मंत्री धारीवाल के खिलाफ एसीबी कोर्ट में चल रही प्रोटेस्ट पिटीशन सहित अन्य आपराधिक कार्रवाई को रद्द कर दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के सीजे को कहा था कि वे मामले में दुबारा सुनवाई कर इस छह महीने में तय करें।

बीसीआर का एक्सटेंशन काउंटर का हाईकोर्ट में शुभारंभ

जयपुर। बार कौंसिल ऑफ राजस्थान, जोधपुर के एक्सटेंशन काउंटर का शुभारंभ शुक्रवार को हाईकोर्ट परिसर में किया गया।

काउंटर का उद्घाटन करते हुए कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा ने कहा कि कौंसिल का जयपुर में काउंटर आरंभ होने से शहर और आसपास के 17 जिलों के वकीलों और विधि विद्यार्थियों को अपने काम के लिए जोधपुर नहीं जाना पडेगा। समारोह में हाईकोर्ट के कई मौजूदा जजों के साथ ही महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद और एएसजी भरत व्यास सहित अन्य वकील मौजूद रहे।

हाईकोर्ट की जयपुर बेंच की स्थापना साल 1977 में हुई थी। फिलहाल हाईकोर्ट सहित अधीनस्थ अदालतों में हजारों की संख्या में अधिवक्ता वकालत करते हैं। इन वकीलों को कौंसिल से जुड़े कार्यों और सुविधाओं के लिए जोधपुर जाना पडता था। वहीं नए वकील के रूप में पंजीकृत होने के लिए भी अपने मूल दस्तावेजों को जोधपुर स्थित कौंसिल के कार्यालय में भेजना पड़ता था। एक्सटेंशन काउंटर खुलने से अब इस सभी कामों के लिए यहां आवेदन किया जा सकेगा।

अंता पर चर्चा के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल व भरत राठौड़ वसुंधरा से मिले

एक घंटे की चर्चा में उपचुनाव तथा संगठनात्मक मुद्दों पर विस्तार से मंथन हुआ

- सूत्रों के अनुसार, वसुंधरा राजे पूर्व विधायक कंवरलाल मीणा के परिवार में से किसी को टिकट दिलाने के पक्ष में हैं, पर पार्टी में इस पर सहमति नहीं बन रही है।
- पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी, पूर्व जिलाध्यक्ष आनंद गर्ग व नन्दलाल सुमन के नाम भी चर्चा में हैं।

जयपुर, 10 अक्टूबर। अंता विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर भाजपा में हलचल तेज हो गई है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से उनके आवास पर मुलाकात करने पहुंचे। करीब एक घंटे चली इस बैठक में उपचुनाव और संगठनात्मक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

सूत्रों के मुताबिक, यह बैठक अंता सीट पर प्रत्याशी चयन को लेकर रणनीतिक रूप से बेहद अहम है। बैठक के बाद मुख्यमंत्री तो राजे आवास से निकल गए, लेकिन प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ कुछ देर और रुके और राजे के साथ निजी बातचीत की। टिकट मंथन को लेकर हुई बैठक के बाद नामों का पैनल दिल्ली भेजा जाएगा। उसके बाद नाम की घोषणा की जाएगी। मीडिया के साथ बातचीत में मदन राठौड़ ने साफ कहा, "हमारे यहां टिकट सर्वे और समन्वय के आधार पर दिया जाता है। हम जीतने वाले प्रत्याशी को ही मैदान में उतारेंगे और संगठन की एकजुटता से चुनाव जीतेंगे।"

कहा जा रहा है कि अंता सीट पर प्रत्याशी चयन को लेकर वसुंधरा राजे और पार्टी नेतृत्व के बीच सहमति बनाने की कोशिशें जारी हैं। अंता सीट, वसुंधरा राजे के बेटे दुष्यंत सिंह के लोकसभा क्षेत्र में आती है और हाड़ौती अंचल को राजे का गढ़ माना जाता है, ऐसे में उनकी साख भी इस उपचुनाव से जुड़ी हुई है।

सूत्रों के अनुसार, वसुंधरा राजे पूर्व विधायक कंवरलाल मीणा के परिवार से किसी को टिकट दिलाने के पक्ष में हैं। हालांकि, पार्टी के भीतर इस पर सहमति नहीं बन पा रही है। कंवरलाल मीणा मनोहर थाना से विधायक रहे हैं और अंता में उन्हें बाहरी माना जा रहा है। साथ ही, उनकी कथित आपराधिक छवि के चलते पार्टी भी जोखिम लेने के मूड में नहीं है।

दूसरी तरफ, पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी को पार्टी का मजबूत विकल्प माना जा रहा है। जातीय समीकरणों और पहले विधायक रहने के अनुभव के चलते उनकी दावेदारी मजबूत है। लेकिन बताया जा रहा है कि वसुंधरा राजे सैनी के नाम पर भी सहज नहीं हैं। कभी राजे के करीबी माने जाने वाले सैनी से उनके रिश्तों में हाल के वर्षों में तल्खी आई है।

अंता सीट पर स्थानीय चेहरों की मांग भी जोर पकड़ रही है। पूर्व जिलाध्यक्ष आनंद गर्ग और नंदलाल सुमन भी टिकट की दौड़ में शामिल हैं और वे खुद को स्थानीय और स्वीकार्य प्रत्याशी के रूप में प्रोजेक्ट कर रहे हैं। कांग्रेस ने पहले ही अपने प्रत्याशी की घोषणा कर दी है, जिससे भाजपा पर दबाव और बढ़ गया है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि जल्द ही शीर्ष नेतृत्व सभी संभावनाओं पर विचार कर अंतिम निर्णय लेगा, लेकिन टिकट पर वसुंधरा राजे की सहमति जरूरी मानी जा रही है।

मुकेश अंबानी ने बद्रीनाथ, केदारनाथ में पाँच-पाँच करोड़ रूपए दिए

चमोली, 10 अक्टूबर। देश के प्रतिष्ठित उद्योगपति और रिलायंस इंडस्ट्रीज अध्यक्ष मुकेश अंबानी ने शुक्रवार को बदरीनाथ और केदारनाथ में दर्शन किये और बदरीनाथ और केदारनाथ मंदिरों की समिति को दोनों मंदिरों के लिए पांच-पांच करोड़ रुपये का दान दिया।

अंबानी ने आज पूर्वाह्न में भगवान बदरी विशाल और उसके बाद रुद्रप्रयाग जिले में स्थित भगवान केदारनाथ के दर्शन किये। उद्योगपति अंबानी के बदरीनाथ और केदारनाथ धाम पहुंचने पर बदरीनाथ- केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने उनका पारंपरिक उत्तराखंडी टोपी और मफलर भेंट कर स्वागत किया। रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष ने कहा कि आगामी 10 वर्षों में उत्तराखंड में तीर्थ यात्रियों की संख्या काफी बढ़ेगी।

हिमाचल भाजपा अध्यक्ष का भाई बलात्कार के मामले में गिरफ्तार

उपचार के लिये आई युवती से क्लीनिक में दुराचार करने की शिकायत पर पुलिस ने कार्यवाही की

- सोलन के एसपी गौरव सिंह ने कहा कि पुलिस निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से जांच करेगी और किसी के प्रभाव में नहीं आयेगी।

सोलन, 10 अक्टूबर। हिमाचल प्रदेश से बड़ी खबर है कि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष डॉक्टर राजीव बिंदल के बड़े भाई को रेप केस में सोलन पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उन पर 25 साल की युवती ने रेप के आरोप लगाए हैं। सोलन पुलिस आरोपी राम कुमार बिंदल को मेडिकल के लिए अस्पताल ले गई है। सोलन एसपी गौरव सिंह ने मामले की पुष्टि की है।

जानकारी के अनुसार, सोलन पुलिस ने शुक्रवार सुबह डॉ. राजीव बिंदल के बड़े भाई राम कुमार बिंदल (78) को पूछताछ के लिए बुलाया था और फिर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि 7 अक्तूबर को एक युवती आरोपी के क्लीनिक में उपचार के लिए आई थी। उसके बाद पुराने बस स्टैंड के पास मौजूद क्लीनिक में युवती से दुराचार किया है। 25 साल की युवती ने इसकी शिकायत सोलन पुलिस को दी थी। पुलिस की फोरेंसिक टीम ने शुक्रवार को क्लीनिक का दौरा किया है और जांच पड़ताल की है।

पीड़िता की शिकायत पर महिला थाना सोलन में मामला दर्ज किया गया था और अब जांच के दौरान एसएफएसएन जुन्गा की टीम ने मौके का निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाए हैं। फिलहाल, तकनीकी साक्ष्यों का भी विश्लेषण किया गया है।

इन सबके आधार पर, पुलिस ने 10 अक्टूबर को आरोपी रामकुमार बिंदल को गिरफ्तार किया और उसे जल्द ही न्यायालय में पेश किया जाएगा। एसपी सोलन गौरव सिंह ने कहा कि पुलिस निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से जांच कर रही है और किसी के प्रभाव में नहीं आएगी।

ट्रंप का पत्ता ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

देती रही है। 11 मिलियन स्वीडिश क्राउन (लगभग 1.2 मिलियन अमेरिकी डॉलर) मूल्य का यह नोबेल शांति पुरस्कार 10 दिसंबर को नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में प्रदान किया जाएगा। ज्ञातव्य है कि इस दिन स्वीडिश उद्योगपति अल्फ्रेड नोबेल की पुण्यतिथि होती है।

उन्होंने 1895 में की गई अपनी वसीयत में इन पुरस्कारों की घोषणा की थी।

इसके बावजूद, ट्रंप और उनके समर्थक इस निर्णय को, उनके प्रति एक जानबूझकर किया गया अपमान मान सकते हैं, खासकर तब, जब राष्ट्रपति ने इज़राइल और हमास के बीच दो साल से चल रहे विनाशकारी युद्ध को समाप्त करने की दिशा में पहला चरण शुरू करवाया था।

नोबेल शांति पुरस्कार, जिसकी शुरुआत 1901 में हुई थी, का उद्देश्य निरंतर शांति प्रयासों को प्रोत्साहित करना था। अल्फ्रेड नोबेल ने अपनी वसीयत में लिखा था कि यह पुरस्कार उस व्यक्ति को मिलना चाहिए, "जिसने राष्ट्रों के बीच भाईचारे को बढ़ावा देने, स्थायी सेनाओं को समाप्त करने या कम करने, और शांति सम्मेलनों के आयोजन में सबसे अधिक या सबसे अच्छा काम किया हो।"

धीर गंभीर राजनीतिक जानकारों ने कहा कि नोबेल समिति पर ट्रंप का नाम चुनने का जबरदस्त दबाव था, लेकिन सदस्यों ने वेनेज़ुएला की नेता को इसलिए चुना, क्योंकि दुनिया भर में लोकतंत्र खतरे में है।

यह भी देखा जा रहा है कि दक्षिणपंथी नेता लोकतांत्रिक ढंग से सत्ता में आते हैं, लेकिन सत्ता में आने के बाद, संविधान और लोकतंत्र के अन्य स्तंभों, जैसे न्यायपालिका, विधायिका तथा मीडिया को कमजोर करने लगते हैं।

पर्यवेक्षकों का कहना है कि यह प्रवृत्ति अब स्पष्ट रूप से दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र (अमेरिका) और सबसे बड़े लोकतंत्र (भारत), दोनों में दिखाई दे रही है।

मंत्री सुजीत बोस के 11 ठिकानों पर ईडी ने छापा मारा

- पश्चिम बंगाल में नगरपालिका भर्ती घोटाले की जाँच के दौरान ईडी ने यह कार्यवाही की।

नयी दिल्ली, 10 अक्टूबर। पश्चिम बंगाल में कथित नगरपालिका भर्ती घोटाले की जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को राज्यभर में 11 ठिकानों पर एक साथ छापे मारे।

यह कार्रवाई राज्य के अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा मंत्री तथा तृणमूल कांग्रेस के विधायक सुजीत बोस से जुड़े परिसरों सहित, कई जगहों पर जारी है। ईडी सूत्रों के अनुसार, तलाशी अभियान कोलकाता और उसके आसपास के इलाकों में चलाया जा रहा है। जिन परिसरों पर छापे मारे गए हैं, उनमें सुजीत बोस का सरकारी और निजी कार्यालय, उनसे जुड़ी कंपनियों के दफ्तर और उनके निकट सहयोगियों के घर शामिल हैं।

यह मामला उस नगरपालिका भर्ती घोटाले से संबंधित है, जिसकी जांच सीबीआई की एफआईआर के आधार पर शुरू की गई थी। कोलकाता हाईकोर्ट के निर्देश पर दर्ज इस एफआईआर में आरोप लगाया गया था कि राज्य में भर्ती घोटाला केवल शिक्षकों की नियुक्तियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विभिन्न नगरपालिकाओं में हुयी अवैध नियुक्तियों तक फैला हुआ है।

गौरतलब है कि इससे पहले भी ईडी ने इस मामले में मंत्री सुजीत बोस और राज्य के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री रथिन घोष के आवासीय परिसरों पर तलाशी ली थी। आज की कार्रवाई इस घोटाले की जांच के दायरे को और व्यापक बनाती दिख रही है।

ईडी अधिकारियों ने बताया कि तलाशी के दौरान कुछ वित्तीय दस्तावेज और डिजिटल रिकॉर्ड जब्त किए गए हैं, जिनकी जांच की जा रही है।

दिल्ली एनसीआर में पटाखे पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला सुरक्षित

संभावना है कि दीवाली के दौरान शर्तों पर ग्रीन पटाखों को अनुमति मिल जाये

- सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुझाव दिया कि केवल एनवायरमेंट इंजीनियरों, रिसर्च इंस्टीट्यूट तथा पेट्रोलियम एंड एक्सप्लोसिव सेफ्टी ऑर्गनाइज़ेशन से प्रमाणित ग्रीन पटाखों की बिक्री की अनुमति दी जाये।

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर में ग्रीन पटाखों की बिक्री पर आदेश सुरक्षित रख लिया है। कोर्ट ने इस बात के संकेत दिए हैं कि दीवाली के दौरान शर्तों के साथ ग्रीन पटाखे के इस्तेमाल की अनुमति दी जा सकती है।

सुनवाई के दौरान, दिल्ली सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने ग्रीन पटाखों के लिए अनुमति की सिफारिश करते हुए कुछ सुझाव भी दिए। सुझाव में उन्होंने कहा कि नेशनल एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (एनईईआरआई) और पेट्रोलियम एंड एक्सप्लोसिव सेफ्टी ऑर्गेनाइजेशन (पीईएसओ) की ओर से प्रमाणित ग्रीन क्रैकर्स की बिक्री की अनुमति दी जाए।

उन्होंने यह भी कहा कि लड़ी वाले पटाखों के निर्माण, बिक्री और इस्तेमाल पर पाबंदी जारी रहे और पीईएसओ और एनईईआरआई पटाखों के निर्माण की जगह की नियमित जांच करें, ताकि सिर्फ सही फार्मूले में ग्रीन पटाखों का निर्माण हो सके। दिल्ली सरकार ने सुझाव में यह भी कहा कि पटाखों को लेकर एक संतुलित रुख अपनाए जाने की जरूरत है। दीपावली, गुरुपर्व और क्रिसमस पर ग्रीन पटाखों की इजाजत दी जाए। यह भी सुझाव दिया गया कि कोर्ट चाहे तो दीपावली पर ग्रीन पटाखे रात 8 से 10 बजे तक जलाने का निर्देश दे सकता है।

न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई (सीजेआई बीआर गवई) और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने पूछा कि क्या साल 2018 में जब पटाखों पर रोक लगी थी, तब से अब तक आईक्यूआई में कमी आई है। तुषार मेहता ने बताया कि आईक्यूआई लगभग पहले जैसा ही है, सिर्फ कोविड के दौरान वायु गुणवत्ता सुधरी थी, लेकिन उसके दूसरे कारण थे। कुछ और वकीलों ने कहा कि पराली, वाहन प्रदूषण जैसी बातों की उपेक्षा कर सिर्फ पटाखों को निशाना बनाना गलत है।

सुनवाई के दौरान तुषार मेहता ने हल्के-फुल्के लहजे में कहा कि बच्चों को एक घंटा तो माता-पिता को मनाने में लग जाता है कि वह पटाखे जलाने उनके साथ चलें इसलिए, त्योहार पर समय सीमा की पाबंदी नहीं रखनी चाहिए।

जुबीन के दो पीएसओ गिरफ्तार

- दोनों पीएसओ के बैंक खातों में एक करोड़ रुपये से अधिक लेन-देन पाये जाने पर मंगलवार को उन्हें निलंबित किया गया था।

सिलीगुडी, 10 अक्टूबर। असम पुलिस की एसआईटी टीम ने शुक्रवार को दिवंगत गायक जुबीन गर्ग के दो निजी सुरक्षा अधिकारियों (पीएसओ) को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान नांदेश्वर बोरा और परेश बैश्य के रूप में की गयी है।

इन दोनों पीएसओ के बैंक खातों में एक करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन पाये जाने पर उन्हें मंगलवार को निलंबित कर दिया गया था। संगीतकार की मौत मामले में वांछित सिंगापुर स्थित एक एनआरआई भी जांचकर्ताओं के सामने पेश हुआ था। लगभग एक दशक पहले प्रतिबंधित उग्रवादी समूह उल्फा की धमकी मिलने के बाद असमिया गायक जुबीन गर्ग की सुरक्षा में दोनों पुलिसकर्मियों को लगाया गया था।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908